PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 318 ● भिलाई, गुरुवार 02 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

**सिलेंडर के बाद तेल के भी दाम घटे, जुलाई के पहले दिन बड़ी राहत**

## गैस सिलेंडर के बाद-पेट्रोल 5 और डीजल 3 रूपया सस्ता हुआ

नई दिल्ली/ एजेंसी

जुलाई महीने का पहला दिन लोगों के लिए खुशखबरी और राहत देने वाला रहा। एलपीजी गैस सिलेंडर के बाद पेट्रोल-डीजल भी सस्ता हो गया है। पेट्रोल ?5 और डीजल ?3 सस्ता हुआ है। ये कटौती नायरा एनर्जी ने की है। प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी नयारा एनर्जी ने पेट्रोल 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल 3 रुपए प्रति लीटर सस्ता कर दिया है। नई कीमतें आज यानी 1 जुलाई से लागू हो गई है। नयारा एनर्जी के बाद इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम भी तेल के दाम सस्ता कर सकता है। बता दें कि इससे पहले ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी कटौती की है। ऑयल कंपनियों ने 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 180 रुपये की कटौती की है। नयारा के देशभर में 7000 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं। रूस की रोसनेफ्ट समर्थित फ्यूल कंपनी है। इसके साथ ही ये प्राइवेट सेक्टर की देश की सबसे बड़ी पेट्रोल-डीजल रिटेल सेलर के रूप में उभरी है। कंपनी ने अब अपने देशव्यापी नेटवर्क पर पेट्रोल प्राइस में 5 रुपये और डीजल प्राइस में 3 रुपये प्रति लीटर की कटौती का तोहफा दिया है। फिलहाल सरकारी फ्यूल रिटेलर्स ने पेट्रेल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने दाम में कोई कमी नहीं की है। हालांकि नयारा एनर्जी की तरफ से दाम सस्ता करने के बाद सरकारी तेल कंपनियां भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी कर

सकती है। इधर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी कटौती की है। ऑयल कंपनियों ने 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 180 रुपये की कटौती की है। नये रेट्स की बात करें, तो दिल्ली में 3,113 रुपये का मिलने वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर अब सस्ता होकर 2,930 रुपये का रह गया है। इस हिसाब से गैस सिलेंडर की कीमत 183 रुपये घटाई गई है। जबकि कोलकाता में सिलेंडर अब 3,081.50 रुपए में मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 3,255.50 रुपए थी। वहीं लखनऊ में कीमत 3,236 रुपए से घटकर 3,052.50 रुपए और पटना में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 3,227 रुपए हो गई है। इधर 1 जुलाई से सरकार ने पेट्रोल निर्यात पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज़ ड्यूटी बढ़ाकर 4 रुपए प्रति लीटर कर दी है। पहले यह ड्यूटी 1.5 रुपए प्रति लीटर थी। समयऔर कैलेंडर अब पेट्रोल पंपों पर एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की सीमा खत्म हो गई है, यानी अब आप अपनी गाड़ी में जितना चाहें उतना डीजल भरवा सकेंगे। इसके साथ ही फैक्ट्रियों और कॉमर्शियल खरीदारों पर लगी रोक भी हटा दी गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 11 जून को पेट्रोल-डीजल की किल्लत की वजह से ये पाबंदियां लगाई थीं, जिन्हें सप्लाई सुधरने के बाद 29 जून के नए आदेश के जरिए वापस ले लिया गया है।

### सरकारी कंपनियों के कीमत स्थिर

*ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच जहां एक तरह नायरा एनर्जी ने लोगों का राहत दी है, वहीं, सरकार तेल कंपनियों के कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने फिलहाल कीमतें स्थिर रखी हैं। ये तीनों कंपनियां भारत के एक लाख से ज्यादा पेट्रोल-पंपों में से 90 प्रतिशत से ज्यादा का फ्यूल स्टेशनों को चलाती हैं, जहां कीमतें पहले की तरह स्थिर हैं। राजधानी दिल्ली में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन आउटलेट्स पर पेट्रोल की कीमत 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.20 रुपये प्रति लीटर है।*

**संक्षिप्त समाचार**

### वाट्सएप पर मिलेगी स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आम लोगों तक बेहतर और सरल स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कई योजनाओं को लॉन्च किया। इनमें आयुष्मान भारत के लिए आयुष्मान सारथी नामक चैटबॉट, राष्ट्रीय एम्बुलेंस सर्विस गाइडलाइंस, 2030 तक मातृ व नवजात के स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित करने लिए सुमन रोडमैप व समग्र शिशु बाल स्वास्थ्य कल्याण और एनिमिया मुक्त भारत अभियान प्रमुख हैं। इन योजनाओं को लॉन्च करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि 2047 में विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वस्थ्य भारत का निर्माण अहम कड़ी है। आयुष्मान सारथी नामक व्हाट्सएप चैटबाट, स्वास्थ्य भारत के लाभार्थियों को सरकारी दफ्तरों में जाए बिना या हेल्पलाइन पर काल किए बिना प्रमुख सेवाओं तक चौबीसों घंटे पहुंच प्रदान करेगा। यह व्हाट्सएप के माध्यम से आयुष्मान भारत योजना की सेवाओं तक सुरक्षित और रीयल-टाइम पहुंच प्रदान करता है।

### पहली बार सैटेलाइट बेस्ड लैंडिंग सिस्टम के सहारे उतरा विमान

**नई दिल्ली।** भारतीय नागरिक उड्डयन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गया। पहली बार देश में किसी वाणिज्यिक जेट विमान की लैंडिंग पारंपरिक इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) की बजाय सैटेलाइट बेस्ड लैंडिंग सिस्टम (एसएलएस) के जरिए कराई गई। इंडिगो के एयरबस ए320 ने भारत के स्वदेशी गगन (जीएजीएएन) नेविगेशन सिस्टम की मदद से यह सफल लैंडिंग की, जिसकी निगरानी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने की इंडिगो के एटीआर टर्बोप्राप विमान पर इस तकनीक का पहले परीक्षण हो चुका था, लेकिन किसी कमर्शियल जेट में इसका इस्तेमाल पहली बार किया गया। विमान में बैठे यात्रियों को इस बदलाव का शायद ही कोई अहसास हुआ, लेकिन रनवे तक पहुंचने के लिए इस बार विमान को जमीन पर लगे रेडियो उपकरणों की बजाय उपग्रह संकेतों से दिशा-निर्देश मिले।

### सिया के वकील ने भाई साहिल को भेजा 10 करोड़ का नोटिस

**पुणे।** पुणे के कारोबारी केतन अग्रवाल हत्याकांड में आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को अदालत ने दूसरी बार 3 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सुनवाई के दौरान वडगांव मावल कोर्ट में सिया गोयल के वकील को लेकर नया विवाद सामने आया। अदालत में सिया गोयल ने कहा कि उनके वकील एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव नहीं, बल्कि एडवोकेट विपुल दुशिंग हैं। इससे एक दिन पहले साहिल गोयल ने मीडिया से बातचीत में दावा किया था कि उन्होंने एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव को कभी नियुक्त नहीं किया। साहिल के मुताबिक, आशुतोष श्रीवास्तव ने इस मामले में उनसे कभी बातचीत नहीं की।

**केजरीवाल ने उठाए 5 बड़े सवाल**

## अमित शाह 2.5 साल में राम मंदिर क्यों नहीं गए

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने पूछा कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अब तक अमित शाह दर्शन के लिए क्यों नहीं गए। इसके साथ ही उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर पांच सवाल पूछे और दावा किया कि गुरुवार को इससे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। केजरीवाल ने कहा कि करोड़ों श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंच चुके हैं, लेकिन देश के गृह मंत्री अब तक मंदिर

क्यों नहीं गए, इसका जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इसके पीछे कोई विशेष कारण है और सरकार इस पर चुप्पी क्यों साधे हुए है। उन्होंने कहा कि जनता को इस विषय पर स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए। आप राम मंदिर क्यों नहीं गए?

मुंबई के चेंबूर में सेंट एंथनी स्कूल के पास भारी बारिश के दौरान उखड़कर गिरी एक पेड़ की चपेट में स्कूल वैन आ गई, जिसके बाद फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी रेस्पॉन्डर ने बचाव अभियान चलाया। इस घटना में 11 साल के एक छात्र की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

**सीतारमण की फ्रांस यात्रा पर रवाना**

## आर्थिक सहयोग और निवेश बढ़ाने पर जोर

**नयी दिल्ली।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा आर्थिक सहयोग एवं निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फ्रांस की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर बुधवार को रवाना हुईं। इस दौरान वह उच्च स्तरीय बैठकों, आर्थिक संवाद और निवेशकों के साथ चर्चाओं में भाग लेंगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण आइक्स-एन-प्रोवेंस में होने वाला भारत-फ्रांस आर्थिक एवं वित्तीय संवाद (ईएफडी) होगा। सीतारमण, फ्रांस के अर्थव्यवस्था,

वित्त एवं औद्योगिक एवं ऊर्जा मंत्री रोलेंड लेस्क्यूर के साथ इसकी सह-अध्यक्षता करेंगी। ईएफडी के तहत दोनों देश विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे।

**अमेरिकी राष्ट्रपति का आदेश रद्द किया**

## यूएस बर्थराइट सिटीजनशिप कानून बरकरार-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/ एजेंसी

यूएस 'बर्थराइट सिटीजनशिप' यानी जन्मजात नागरिकता कानून पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें ऐसे बच्चों को जन्म से नागरिकता देने से इनकार किया गया था। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अमेरिका में जन्म लेने वाला हर बच्चा जन्म से अमेरिकी नागरिक होगा, चाहे उसके माता-पिता देश में अवैध रूप से रह रहे

हों या फिर अस्थायी वीजा पर आए हों। यह फैसला दुनिया भर से अमेरिका जाकर बसने वाले लाखों प्रवासियों, खासकर भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए राहत वाली खबर है। बता दें कि अमेरिका में पिछले 158 साल से यह व्यवस्था लागू है कि वहां जन्म लेने वाला हर बच्चा अपने जन्म के साथ ही अमेरिकी नागरिक बन जाता है। यह अधिकार अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन में दिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप में अमेरिका में बढ़ रहे प्रवासियों की संख्या को देखते हुए 20 जनवरी 2025 को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर बर्थ राइट सिटीजनशिप पर रोक लगा दी थी। मामला संघीय (फेडरल) जिला अदालतों तक पहुंच गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस आदेश पर संघीय (फेडरल) जिला अदालतों ने इस आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी थी। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

### हल्दिया रिफाइनरी में बड़ा हादसा : नैफ्था पाइपलाइन में लगी भीषण आग, 15 कर्मचारी झुलसे

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के हल्दिया स्थित रिफाइनरी में मंगलवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। सुबह करीब 4ः00 से 4ः30 बजे के बीच नैफ्था ले जाने वाली पाइपलाइन में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे रिफाइनरी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही रिफाइनरी प्रबंधन, स्थानीय प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए घायलों को तत्काल हल्दिया सब-डिविजनल अस्पताल पहुंचाया गया।

**बीजेपी पर लगाए गंभीर आरोप**

## सांसद महुआ मोइत्रा पर अंडे-पत्थरों से हमला?

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सत्ता जाते ही पार्टी नेताओं पर भीड़ हमला बढ़ा गया है। इस दौरान भीड़ द्वारा तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर अंडे भी फेके गए। ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी, कुणाल घोष जैसे नेताओं के बाद इस कड़ी में सांसद महुआ मोइत्रा का भी नाम जुड़ गया। महुआ मोइत्रा ने अपने एक्स हैंडल पर भीड़ द्वारा अंडे और पत्थरों से हमला करने का एक वीडियो साझा किया है। इसमें मोइत्रा ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि घटना के समय राज्य

पुलिस मूकदर्शक बन कर खड़ी रही। इस मामले को लेकर पश्चिम बंगाल के डीजीपी समेत कई अधिकारियों को कॉल कर चुकी हूं, लेकिन अभी तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई। बंगाल में सांसद के ऐसे समय पर यह घटना घटी है, जब एक दिन पहले ही कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से अंडे से हमले करने की घटना पर रिपोर्ट मांगी है। महुआ मोइत्रा ने हमलावरों को भाजपा के गुंडे बताए हैं। महुआ मोइत्रा ने अपने एक्स हैंडल पर हमले का वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि ये कोई अचानक भड़के हुए लोगों का गुस्सा नहीं है। ये बीजेपी के सुनियोजित हमले हैं। बीजेपी के झंडे देखिए। महुआ मोइत्रा ने अपने एक्स हैंडल पर पश्चिम बंगाल डीजीपी और बंगाल पुलिस को टैग करते हुए एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा कि पिछले 2 घंटों से आपकी पुलिस तमाशा देख रही है और भीड़ को हटा नहीं रही है।

**दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा!**

## बस और ट्रक की टक्कर के बाद लगी आग, जिंदा जले 8 यात्री...

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे पर एक भीषण सड़क हादसे से हड़कंप मच गया। यहां ट्रक और बस में जोरदार टक्कर हो गई। भीषण टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई और 32 यात्री घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि कई और लोगों की मौत होने की संभावना जताई जा रही है। यह भीषण हादसा राजस्थान दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुआ। कोलवा पुलिस स्टेशन इलाके में हरिद्वार से इंदौर जा रही एक बस का कंट्रोल बिगड़ गया और वह एक ट्रेलर से टकराकर आग की चपेट में आ गई, जिससे 4 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही दौसा और बांदीकुई से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया, जबकि पुलिस ने बचाव और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की जांच चल रही है। दौसा जिले के कोलवा पुलिस स्टेशन इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक बस और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में सड़क हादसा हो गया। प्रारंभिक जानकारी में एडिशनल एसपी योगेंद्र फौजदार ने बताया, इंदौर से हरिद्वार जा रही एक बस दिल्ली हाईवे पर एक रेस्ट एरिया के पास भीषण हादसे का शिकार हो गई, जिसमें 2 यात्रियों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए। एसपी और अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। बस में आग लग गई थी। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी हैं। एसपी पीयूष दीक्षित ने बताया, यह हंस ट्रैवल्स

इंदौर की स्लीपर बस थी। दूसरी गाड़ी एक खाली ट्रक था। दोनों गाड़ियां सड़क के सीधे हिस्से पर चल रही थीं। छह लोगों की मौत जलने से हुई, जबकि दो अन्य की मौत सिर में चोट लगने से हुई। बाकी घायलों की हालत स्थिर है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर दौसा में बस और ट्रक की टक्कर की सूचना मिलते ही कांग्रेस सांसद मुरारी लाल मीणा भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे उन लोगों की आत्माओं को शांति दें जिन्होंने अपनी जान गंवाई है और उनके परिवारों को हिम्मत दें। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, आठ लोगों की मौत हो गई है।

### अमरनाथ यात्रा के दौरान बड़ा हादसा पंजाब में ट्रैवलर-ट्रक भिड़ंत में 4 की मौत

*पंजाब के बठिंडा जिले से एक दर्दनाक घटना की खबर सामने आ रही है। यह हादसा आज यानी बुधवार की सुबह हुआ है। यह घटना तब हुई जब कुछ यात्री अमरनाथ की यात्रा के लिए जा रहे थे। इस सड़क हादसे में चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए है। सभी घायलों को इलाज के लिए पास के एम्स मे भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने मीडिया से हुई बातचीत में बताया कि यह हादसा बठिंडा-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह के समय हुआ, जहां राजस्थान से अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे यात्रियों की गाड़ी एक ट्रक से टकरा गई और बता दें, कि सभी श्रद्धालु एक ट्रैवलर गाड़ी में सवार थे। यह हादसा इतना भीषण था, कि ट्रैवलर गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना के बाद से अफरा-तफरी मच गई जिससे हाईवे पर जाम लगने की स्थिति पैदा हो गई। जबकि इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटना स्थल पर मौके पर पहुंचकर हालातों को संभाला। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बिना किसी देरी के तुरंत अस्पताल के लिए रवाना किया गया। बाद में पुलिस ने मृतकों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आपको बता दें कि सहारा जन सेवा के कर्मचारी संदीप सिंह ने बताया है कि आज हमारे कंट्रोल रूम में कॉल आया कि बठिंडा के जोधपुर रोमाना और गुरुसर सानेवाला के बीच एक भयानक सड़क हादसा हुआ है। जब हम मौके पर पहुंचे, तो देखा कि एक ट्रैवलर खड़े ट्रेलर से टकरा गई थी। इसमें 11 से 12 यात्री सवार थे। जिनमें से 4 की मौके पर ही मौत हो गई और 8 यात्री गंभीर रूप से घायल हैं।*

CMYK

# सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर दिव्या मिश्रा

**बालोद।** कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने मंगलवार को संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में सुशासन तिहार 2026 के दौरान प्राप्त आवेदनों के अंतर्गत निराकरण हेतु शेष रह गए आवेदनों की विभागवार समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिले के विभाग एवं कार्यालय प्रमुखों को निराकरण हेतु शेष रह गए शत प्रतिशत आवेदनों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में दिव्या मिश्रा ने सभी विभाग प्रमुखों को अपने-अपने विभागों के अंतर्गत निराकरण हेतु शेष रह गए आवेदनों का आगामी साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक के पूर्व शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में दिव्या मिश्रा ने जिले में खनिज पदार्थों के अवैध भण्डारण, परिवहन एवं उत्खनन करने वालों के विरूद्ध की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की। उन्होंने राजस्व, खनिज एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों को खनिज पदार्थों के अवैध भण्डारण, परिवहन एवं उत्खनन करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं नूतन कंवर, संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष एवं राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

### धान, बीज की भण्डारण एवं वितरण सुनिश्चित करें

बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने मौजूदा खरीफ सीजन के मद्देनजर जिले में खाद, बीज की उपलब्धता की भी समीक्षा की। उन्होंने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के नोडल अधिकारी से जिले के सहकारी समितियों में खाद, बीज की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को समय पर खाद, बीज की प्रबंध करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो इसके लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन द्वारा किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में युरिया खाद उपलब्ध कराई जा रही है। इसे देखते हुए किसानों की आवश्यकता एवं पात्रता के अनुरूप उन्हें शत प्रतिशत युरिया खाद का वितरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बीज निगम के प्रबंधक से धान, बीज की उलपब्धता के संबंध में भी जानकारी ली तथा जिले में पर्याप्त मात्रा में धान, बीज की भण्डारण एवं वितरण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

### होगा वृहद वृक्षारोपण का आयोजन

उन्होंने सुशासन को जन-जन तक पहुँचाने और प्रत्येक पात्र परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई सुध्घर छत्तीसगढ़ अभियान के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को जिले में इस अभियान के बेहतर क्रियान्वयन हेतु विस्तृत योजना बनाने के भी निर्देश दिए। बैठक में दिव्या मिश्रा ने सभी विभाग प्रमुखों को उच्च न्यायालय से संबंधित प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समयावधि में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार बिना रबड टायर के दोहरे पिंजरे वाले (आयरन केजीविल) ट्रेक्टर के सड़कों पर उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों, तहसीलदारों तथा पुलिस एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों को इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने सभी विभाग प्रमुखों को जिला प्रशासन द्वारा जुलाई 2026 में आयोजित की जाने वाली वृहद वृक्षारोपण अभियान हेतु वृहद कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने इस अभियान के अंतर्गत सभी विभागों के अलावा जिले के स्वयं सेवी तथा शासकीय-अशासकीय संस्थानों सहित समाज के सभी वर्गों के सहभागिता से अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण किए जाने की भी जानकारी दी।

### होगा वृहद वृक्षारोपण का आयोजन

उन्होंने सुशासन को जन-जन तक पहुँचाने और प्रत्येक पात्र परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई सुध्घर छत्तीसगढ़ अभियान के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को जिले में इस अभियान के बेहतर ि यान्वयन हेतु विस्तृत योजना बनाने के भी निर्देश दिए। बैठक में दिव्या मिश्रा ने सभी विभाग प्रमुखों को उच्च न्यायालय से संबंधित प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समयावधि में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार बिना रबड टायर के दोहरे पिंजरे वाले (आयरन केजीविल) ट्रेक्टर के सड़कों पर उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों, तहसीलदारों तथा पुलिस एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों को इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने सभी विभाग प्रमुखों को जिला प्रशासन द्वारा जुलाई 2026 में आयोजित की जाने वाली वृहद वृक्षारोपण अभियान हेतु वृहद कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने इस अभियान के अंतर्गत सभी विभागों के अलावा जिले के स्वयं सेवी तथा शासकीय-अशासकीय संस्थानों सहित समाज के सभी वर्गों के सहभागिता से अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण किए जाने की भी जानकारी दी।

# 30 करोड़ बकाया और खाद संकट पर सरकार के खिलाफ किसानों ने खोला मोर्चा

**कवर्धा।** छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में किसानों का गुस्सा अब सड़कों पर खुलकर दिखाई देने लगा है। लंबे समय से बकाया भुगतान, खाद-यूरिया की भारी किल्लत और खेती के लिए जरूरी संसाधनों की कमी से परेशान किसानों का सब्र आखिरकार जवाब दे गया। भारतीय किसान संघ भारतीय किसान संघ और समृद्ध किसान संघ समृद्ध किसान संघ के बैनर तले सैकड़ों किसानों ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। किसानों ने नेशनल हाईवे 130 पर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना के सामने तंबू गाड़कर बीच सड़क पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। यह धरना केवल विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि किसानों की उस पीड़ा का प्रतीक बन गया है जिसे लंबे समय से अनदेखा किया जा रहा था। धरना स्थल पर पहुंचे किसानों के चेहरों पर नाराजगी साफ दिखाई दे रही थी। कई किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ पहुंचे और प्रशासन को यह स्पष्ट संदेश दिया कि अब वे केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होंगे। ट्रैक्टर रैली निकालने की तैयारी ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी, जिसके चलते मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। हाईवे पर तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है और हर किसी की नजर इस आंदोलन पर टिकी हुई है।किसानों का आरोप है कि शक्कर कारखाना गन्ना किसानों के साथ खुली नाइंसाफी कर रहा है। किसानों का कहना है कि कारखाने पर उनका 30 करोड़ रुपए से अधिक का बकाया है, लेकिन भुगतान के नाम पर सिर्फ टालमटोल किया जा रहा है। जिन किसानों ने मेहनत, पसीना और कर्ज लेकर गन्ने की फसल तैयार की, आज वही किसान अपने ही पैसे के लिए सड़क पर बैठने को मजबूर हैं। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर किसानों के खून-पसीने की कमाई कब तक फाइलों में दबाकर रखी जाएगी। सिर्फ भुगतान का मुद्दा ही नहीं, जिले में खाद और यूरिया की भयावह कमी ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। खरीफसीजन शुरू हो चुका है, बुआई का समय निकलता जा रहा है, लेकिन किसान खाद के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। कई समितियों में खाद उपलब्ध नहीं है, तो जहां है वहां लंबी कतारें लग रही हैं। किसान आरोप लगा रहे हैं कि जिम्मेदार विभाग स्थिति को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल साबित हुआ है।

किसानों की एक और बड़ी मांग है कि उन्हें योजना के तहत 15,000 रुपये प्रति क्विंटल का लाभ दिया जाए ताकि गन्ना उत्पादन आर्थिक रूप से टिकाऊ बन सके। किसानों का कहना है कि लागत लगातार बढ़ रही है—डीजल महंगा, मजदूरी महंगी, खाद महंगी, बीज महंगा—लेकिन फसल का उचित लाभ नहीं मिल रहा। ऐसी स्थिति में खेती करना दिन-ब-दिन घाटे का सौदा बनता जा रहा है। उन्नत बीजों की समय पर उपलब्धता को लेकर भी किसानों में भारी नाराजगी है। किसानों का कहना है कि हर साल बीज वितरण को लेकर अव्यवस्था सामने आती है। जब बुआई का सही समय होता है, तब बीज उपलब्ध नहीं रहते और जब बीज पहुंचते हैं, तब तक काफी देर हो चुकी होती है। यह लापरवाही सीधे उत्पादन पर असर डालती है और नुकसान अंततः किसान को उठाना पड़ता है। धरना स्थल से किसानों ने सरकार को दो टूक संदेश दिया है कि अब सिर्फ आश्वासन नहीं, समाधान चाहिए। किसानों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, वे आंदोलन जारी रखेंगे और सड़क से हटने वाले नहीं हैं। यह आंदोलन सरकार और प्रशासन के लिए एक गंभीर चेतावनी है। जिस किसान के दम पर अर्थव्यवस्था और बाजार चलते हैं, वही किसान आज अपने अधिकारों के लिए सड़क पर बैठा है। यदि समय रहते किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो यह आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है। फिलहाल कवर्धा में हालात यही बता रहे हैं कि किसानों का गुस्सा अब शांत होने वाला नहीं, और प्रशासन की चुप्पी आग में घी डालने का काम कर रही है। वहीं क्षेत्रीय विधायक भावना बोहरा ने किसानों को अस्वस्थ्य किए है कि बकाया राशि का भुगतान जल्दी कराई जाएगी साथ ही कारखाना की ढाई साल में सुधार की आंकड़ा भी प्रस्तुत किए है।जिससे पहले की तुलना में स्थापना व्यय और अनुरक्षण एवं मरम्मत व्यय भी पूर्व की तुलना में कम हो रही है। जिसके चलते कारखाना की वित्तीय व्यवस्था में सुधार हो रहा है।

# भाजपा ने नीतू कोठारी को केसीजी जिले का प्रभारी बनाया

**बेमेतरा।** भारतीय जनता पार्टी ने बेमेतरा की सक्रिय नेता एवं जनप्रतिनिधि नीतू कोठारी को खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (केसीजी) जिले का प्रभारी नियुक्त किया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे संगठन द्वारा उनकी निष्ठा, लगन और वर्षों की सक्रिय कार्यशैली पर जताए गए विश्वास का सम्मान बताया। उन्होंने महिला मोर्चा में विभिन्न दायित्व प्राप्त करने वाली सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को भी शुभकामनाएं दीं। नीतू कोठारी ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की सहमति से उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री तथा भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष के प्रति विशेष आभार प्रकट करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर वह पूरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना, संगठन को और अधिक मजबूत बनाना तथा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पार्टी की गतिविधियों को गति देना उनकी प्राथमिकता होगी। यह दायित्व उनके लिए गौरव के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। नीतू कोठारी का राजनीतिक सफर बेमेतरा कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में शुरू हुआ। इसके बाद उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के रूप में पार्षद चुनाव लड़ते हुए सक्रिय राजनीति में अपनी पहचान बनाई और पिछले 15 वर्षों से नगर सेवा में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वह अब तक 44 बार रक्तदान कर चुकी हैं। संगठन और समाज सेवा में उनके योगदान को जिले में व्यापक पहचान मिली है। नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने क्षेत्र की जनता के प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के विश्वास और स्नेह ने ही उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। उन्होंने अपने चर्चित संदेश मेरे मुस्कुराने की वजह मेरे मतदाता हैं का उल्लेख करते हुए कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा है।

# बीरमपुर में मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

**बेमेतरा।** विकासखंड बेमेतरा के ग्राम पंचायत आंदू के ग्राम बीरमपुर के शासकीय प्राथमिक शाला में आज शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें नव प्रवेशी बच्चो का तिलक लगाकर मिष्ठान खिलाकर स्वागत किया गया इस आयोजन में ग्राम पंचायत आंदू के सरपंच भरत राम साहू एवं सचिव श्रीमती शकुंतला मांडले एवं ग्राम के पंच कृपाराम साहू , बुधराम साहू तथा शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों के द्वारा बच्चों को गणवेश और पुस्तक का वितरण किया गया तथा शाला में न्योता भोज का भी आयोजन किया गया जिसमें चावल, दाल ,सब्जी के साथ खीर पुरी और पापड़ का वितरण किया गया ।इस आयोजन में शाला के प्रधान पाठक हुकुमचंद साहू, सहायक शिक्षक पद्मराज भुवाल और ग्राम के भागीरथी साहू एवं अन्य वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

# राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज के प्रबंध कारीणी बैठक में लिया गया विभिन्न निर्णय

**बेमेतरा।** राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज के प्रबंध कारीणी एवं कार्यकारिणी की जिला स्तरीय बैठक परशुराम चौक में विश्रामगृह स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में संपन्न हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ललित मिश्रा की अध्यक्षता एवं आचार्य बलदेव शास्त्री प्रदेश सचिव विकास घर दीवान, राजेंद्र शर्मा जिला अध्यक्ष डॉ शिरीष शर्मा, संभागीय महासचिव चंद्रिका प्रसाद शर्मा, शेषनारायण तिवारी की उपस्थिति में आयोजित बैठक में आठ महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। प्रारंभ में समाज के जिला अध्यक्ष डॉ शिरीष शर्मा ने बैठक के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया ।उन्होंने जिला में चार ब्लॉक 9 तहसील एक नगर पालिका 7 नगर पंचायत तथा तीन विधानसभा में सामाजिक संगठन की प्रगति को प्रतिपादित किया। प्रदेश सचिव विकास घर दीवान ने 90 विधानसभा में समाज का सशक्त सामाजिक संगठन तथा प्रांत व्यापी सामाजिक जनगणना तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को आर्थिक सहयोग के लिए निर्धन सहायता कोश की आवश्यकता पर बल दिया। बेमेतरा ब्लाक अध्यक्ष भावेश शर्मा तथा प्रदीप दुबे ने समाज में अंतर जाति विवाह पर रोक लगाने की सामाजिक नियम बनाने तथा पारिवारिक सम्मेलन आयोजित कर नई पीढ़ी को अधिक से अधिक शामिल करने की पहल करने की अपील की। बेरला ब्लॉक अध्यक्ष राजेश दुबे ने सामाजिक कार्यक्रमों में निश्चित रूप से उपस्थित होने का आह्वान किया उक्त अवसर पर आचार्य बलदेव शास्त्री ,डॉ शिवेंद्र त्रिपाठी ,कृपा शंकर त्रिपाठी ,चंद्रिका प्रसाद शर्मा, शेषनारायण तिवारी, मनोज मिश्रा ,विवेकधर दीवान, रीता पांडे ,उमा तिवारी, हितेंद्र तिवारी, पंडित प्रशांत तिवारी ,राजकुमार शर्मा, कनक लता मिश्रा, शिल्पी मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त किये बैठक में आठ महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। 90 विधानसभा क्षेत्र में सशक्त सामाजिक संगठन बनाया जाएगा, समय-समय पर पारिवारिक सम्मेलन होंगे, मृत्यु भोज में सादगी, महिला युवा पुरोहित किसान व सांस्कृतिक मंच का विस्तार, अंतर जाति विवाह पर रोकथाम के लिए सख्त सामाजिक नियम व कड़ाई से पालन किया जावे, सर्व ब्राह्मण समाज के आयोजित कार्यक्रमों में बिना किसी विशेष कारण के उपस्थिति की अनिवार्यता होनी चाहिए, राजनीति नौकरी व्यवसाय पूजा पाठ अन्य विविध क्षेत्रों में कार्यरत समाज के सदस्यों का सामाजिक संगठन भरपूर सहयोग करेगा, समाज के सदस्य एक दूसरे के प्रति सद्भावना व सहयोग भावना रखेंगे। प्राप्त प्रस्ताव व समर्थन के आधार पर सर्व सहमति से संगठन का विस्तार किया गया चयनित पदाधिकारी निम्न अनुसार हैं। प्रदेश सचिव राजेंद्र शर्मा, बेमेतरा, संभागीय महासचिव चंद्रिका प्रसाद शर्मा बीजाभाठ, शेषनारायण तिवारी बेहरा, संभागीय सचिव डॉक्टर सतीश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष किशोर दुबे, जिला महासचिव ,प्रदीप दुबे , मनोज मिश्रा, पंडित आशीष तिवारी, जिला संगठन सचिव प्रमोद पांडे एवं प्रदीप शुक्ला जिला सचिव कृपा शंकर त्रिपाठी , कृष्णा प्रसाद तिवारी अशोक मिश्रा, बेमेतरा ब्लाक अध्यक्ष भावेश शर्मा, ब्लॉक उपाध्यक्ष योगेश मिश्रा,बेरला ब्लॉक अध्यक्ष राजेश दुबे। महिला मंच जिला अध्यक्ष उमा तिवारी ,उपाध्यक्ष अद्वितीय पांडे, कनक लता मिश्रा, रीता पांडेय, महासचिव वर्षा गौतम ,सचिव निशा तिवारी श्रद्धा शर्मा, तहसील अध्यक्ष निशा चौबे ,ब्लॉक उपाध्यक्ष पार्वती दुबे ,नगर अध्यक्ष शिल्पी मिश्रा, उपाध्यक्ष शिखा चौबे, अन्नपूर्णा दुबे ,महासचिव करुणा तिवारी, संगठन सचिव आरती तिवारी, रिंकी पांडे, मीनाक्षी तिवारी चयनित हुए। बैठक में मुख्य रूप से नरेंद्र शर्मा ,राजकुमार शर्मा ,परमेश्वर प्रसाद तिवारी ,राम नारायण पाठक ,अशोक मिश्रा, शेषनारायण मिश्रा, ऋषि कुमार तिवारी ,मणि शंकर दीवान, सुरेश शर्मा, जितेंद्र तिवारी, राम चौबे, मंजू शर्मा, पूजा शर्मा, अनु पांडे, निवेदिता तिवारी, अनीता मिश्रा, सरोज चौबे, बलदाऊ प्रसाद, राजीव दुबे मीना त्रिपाठी, नागेंद्र शर्मा सहित विप्रजन शामिल थे।

# भव्यता के साथ मनाया गया सद्गुरु कबीर प्राकट्य महोत्सव, हलवा-पूरी के महाप्रसाद का हुआ वितरण

**कुम्हारी।** नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसदा में 29 जून 2026 को SKDV मिशन एवं समस्त कबीर पंथ समाज के तत्वावधान में 'सद्गुरु कबीर साहब प्राकट्य महोत्सव' अत्यंत हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग जिला SKDV मिशन के अध्यक्ष मिलन साहब, पाटन तहसील प्रमुख जागृत साहब, महिला प्रमुख दिनेश्वरी साहब, प्रमुख सलाहकार तामेश्वर साहब, दीपक साहब एवं युवा प्रतिनिधि पुनेन्द्र कुमार कबीरपंथी सहित मिशन के पदाधिकारी, ग्रामीणजन एवं बड़ी संख्या में माताएं उपस्थित रहीं। महोत्सव के दौरान वक्ताओं ने सद्गुरु कबीर साहेब के जीवन दर्शन, उनके संदेशों एवं मानव कल्याण के लिए दिए गए उपदेशों पर प्रकाश डालते हुए समाज को उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी श्रद्धालुओं एवं भक्तों को हलवा-पुरी के महाप्रसाद का वितरण किया गया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति एवं सामाजिक समरसता का वातावरण देखने को मिला। उक्त जानकारी युवा प्रतिनिधि पुनेन्द्र पंथ द्वारा मीडिया को प्रदान की गई।

# चूना पत्थर का अवैध परिवहन, खनिज विभाग की कार्रवाई, 3 गाड़ियां की जब्त

**कुमरदा, लक्ष्मणभरदा, किरगी, सुरगी, सिंघोला, तुमड़ीबोड़, सोमनी एरिया में किया निरीक्षण**

**राजनांदगांव।** जिले में खनिज का अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग की टीम द्वारा अर्जुनी, रायतापायली, बीजेभांठा, डोंगरगांव, खुज्जी, कुमरदा, लक्ष्मणभरदा, किरगी, सुरगी, सिंघोला, तुमड़ीबोड़, इन्दामारा, सोमनी सहित अन्य क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चूना पत्थर (गिट्टी) का अवैध परिवहन करने पर 3 वाहनों को जप्त किया गया। इसके तहत ग्राम करेली में कोटगुल महाराष्ट्र निवासी चंदन शेखावत के स्वामित्व के हाईवा एमएच 33 टी 5852 से बिजरावन मध्यप्रदेश निवासी वाहन चालक बहादुर सिंह एवं ग्राम खुर्सीपार में डोंगरगांव निवासी गोविन्द देवांगन के स्वामित्व के माजदा सीजी 08 एएन 8053 से बाजार नवागांव निवासी वाहन चालक उमेश यादव द्वारा चूना पत्थर (गिट्टी) का अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए जप्त कर थाना डोंगरगांव को सुपुर्द किया गया। इसी तरह ग्राम फरहद में दुर्ग निवासी अमर इन्द्रा के स्वामित्व के हाईवा सीजी 07 एएक्स 9196 से अञ्जावबाजार निवासी वाहन चालक अभिषेक पाण्डे द्वारा चूना पत्थर (गिट्टी) का अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए जप्त कर थाना पुलिस लाईन को सुपुर्द किया गया। प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

# राजनीतिक हल चल, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष उमेश साहू ने विधायक देवेंद्र यादव से की सौजन्य भेंट मुलाकात

**अम्लेश्वर/भिलाई।** नगर पालिका परिषद अम्लेश्वर के पूर्व उपाध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता उमेश साहू ने सेक्टर-5 स्थित विधायक निवास कार्यालय में विधायक देवेंद्र यादव से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे और संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के बाद उमेश साहू ने विधायक देवेंद्र यादव की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे युवा दिलों की धड़कन हैं। उन्होंने कहा कि देवेंद्र यादव लगातार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहते हैं। युवाओं, किसानों, मजदूरों एवं आम नागरिकों के हितों के लिए उनकी सक्रियता उन्हें जनता के बीच लोकप्रिय बनाती है। उमेश साहू ने कहा कि विधायक देवेंद्र यादव का सरल स्वभाव और जनसेवा के प्रति समर्पण उन्हें अन्य नेताओं से अलग पहचान दिलाता है। क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की लोगों में व्यापक सराहना हो रही है। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच संगठनात्मक गतिविधियों एवं क्षेत्र के विकास को लेकर भी चर्चा हुई। उमेश साहू ने कहा कि विधायक देवेंद्र यादव के नेतृत्व में क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिल रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### नौकरी और कारोबार के नाम पर लाखों की ठगी, दो अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में नौकरी दिलाने और अधिक मुनाफे का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खम्हारडीह थाना पुलिस ने जांजगीर-चांपा जिले के सारागांव थाना क्षेत्र के ग्राम लखुरी निवासी जिवधन सागर की शिकायत पर अपराध क्रमांक 203/26 दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, आरोपियों योगेश साहू और दिलीप यादव ने पीड़ित के पुत्र को शराब दुकान में सुपरवाइजर/सेल्समैन की नौकरी दिलाने का झांसा दिया। इसके एवज में आरोपियों ने 4 लाख 50 हजार रुपये ले लिए, लेकिन न तो नौकरी दिलाई और न ही रकम वापस की। मामले में बीएनएस की धारा 318(4) एवं 336(सी) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। वहीं, दीनदयाल उपाध्याय नगर थाना में बलौदाबाजार जिले के ग्राम तरा, पलारी निवासी चंद्रहास वर्मा की शिकायत पर अपराध क्रमांक 404/26 दर्ज किया गया है। प्रार्थी ने बताया कि आरोपी शैलेन्द्र रजक और नारायण रजक ने दोना-पत्तल बनाने की मशीन लगाने, कच्चा माल उपलब्ध कराने और तैयार माल खरीदने का आश्वासन देकर अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया। इस बहाने 19 मार्च 2026 से 12 मई 2026 के बीच 2 लाख 95 हजार रुपये की ठगी कर ली। मामले में बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच की जा रही है। पुलिस दोनों मामलों में आरोपियों की तलाश और तथ्यों की जांच में जुटी हुई है।

### पुरानी रंजिश और पैसों के विवाद में युवक पर जानलेवा हमला, दो के खिलाफ जुर्म दर्ज

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के गंज थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश और पैसों के लेन-देन को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफहत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, घटना 28 जून 2026 की रात करीब 10:15 बजे जनकबाड़ा स्थित मुक्ताली गली के पास हुई। मामले में ईकरार खान की शिकायत पर गंज थाना में अपराध क्रमांक 199/26 दर्ज किया गया है। शिकायत के मुताबिक, आरोपी मोहम्मद अजहर (38) और फन्नू ने पुरानी रंजिश तथा पैसों के लेन-देन के विवाद को लेकर प्रार्थी के भाई हनीफखान के साथ गाली-गलौज की। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए हत्या की नीयत से किसी कठोर वस्तु से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 296, 351(3) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश और घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

### मेरिन ड्राइव बना नशेड़ियों का अड्डा, लोग हो रहे परेशान

**रायपुर।** पुलिस कमिश्नरेट बनने के बाद भी अपराधियों के हौसले बुलंदी पर है। वहीं 112 की टीम को काल करने पर भी कई बार समय पर नहीं पहुंचने पर अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे है। मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा स्थित मेरिन ड्राइव इन दिनों नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। नशे के कारोबार में कोई नहीं नहीं आ रही है जिसके चलते मेरिन ड्राइव में नशेड़ी गजेड़ी सुबह शाम नशा करते हुए दिखाई पड़ते हैं। इस संबंध में मार्निंग वॉक एसोसिऐशन के अध्यक्ष सुधीर वालिया एवं तेलीबांधा निवासी अजय मनचंदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि बुजुर्ग एवं सुबह शाम की सैर करने वाले नशेड़ियों की हरकतों के चलते बहुत परेशान हो रहे है। इस संबंध में तेलीबांधा थाना के प्रभारी एवं टीम को भी जानकारी दी गई है। इसके बाद भी नशेड़ियों के उत्पात में कमी नहीं आई है। आनंद नगर निवासी निशा त्रिवेदी ने पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला से नशा करने वाले नशेड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हुए इस संबंध

### रायपुर के माना क्षेत्र में बेदखली कार्रवाई: नकटी गांव में अवैध मकान तोड़े गए,

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के माना क्षेत्र स्थित ग्राम नकटी में लंबे समय से चल रहे विवाद के बाद प्रशासन ने बेदखली की कार्रवाई शुरू कर दी है। आधी रात से ही जेसीबी मशीनों और भारी पुलिस बल की तैनाती के साथ अवैध निर्माणों को हटाने का अभियान चलाया गया।जानकारी के अनुसार, गांव के वार्ड क्रमांक 16 और 17 में करीब 48 मकान ऐसे पाए गए हैं जिन्हें सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाया गया था। इन्हें हटाने के लिए राजस्व विभाग द्वारा पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके थे। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के तहत की जा रही है।कार्रवाई के दौरान इलाके में लगभग एक हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल देखने को मिला।

---

**मुख्यमंत्री ने रामगढ़ पहुँचकर निहारी सीताबेंगरा की प्राचीन विरासत**

# रामगढ़ संस्कृति, इतिहास, साहित्य और पर्यटन का अद्भुत संगम-मुख्यमंत्री साय

- जोगीमारा गुफा शिलालेख एवं हाथीपोल का किया अवलोकन
- हमारी सांस्कृतिक धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य विरासत

**रायपुर। संवाददाता**

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ऐतिहासिक एवं रामवनगमन पर्यटन परिपथ से जुड़े रामगढ़ में आयोजित दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला के रूप में विख्यात सीताबेंगरा गुफा का अवलोकन किया तथा इसकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं स्थापत्य विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही जोगीमारा गुफा के प्राचीन शिलालेख, भित्तिचित्रों तथा क्षेत्र की अनूठी प्राकृतिक धरोहर हाथीपोल का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि रामगढ़ सरगुजा की हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक चेतना, कला, आस्था और गौरवशाली इतिहास का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला के रूप में विख्यात यह स्थल संस्कृति, इतिहास, साहित्य एवं पर्यटन का अद्भुत संगम है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती केवल प्राकृतिक संपदा से ही समृद्ध नहीं है, बल्कि इसकी सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक विरासत भी विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान रखती है। रामगढ़ जैसी धरोहरें हमारी ऐतिहासिक अस्मिता और सांस्कृतिक गौरव की अमूल्य निधि हैं, जिनका संरक्षण और संवर्धन हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन तथा पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि देश-विदेश से आने वाले पर्यटक छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें और स्थानीय लोगों को भी रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर प्राप्त हों। उल्लेखनीय है कि रामगढ़ पर्वत की पश्चिमी ढलान पर स्थित सीताबेंगरा एवं जोगीमारा गुफाएँ भारतीय इतिहास, स्थापत्य, शिलालेख एवं चित्रकला की अनुपम धरोहर मानी जाती हैं। मान्यता है कि महाकवि कालिदास ने इन्हीं पहाड़ियों में अपनी कालजयी कृति मेघदूत की रचना की थी, जिसका आरंभ आषाढस्य प्रथमदिवसे से होता है। इसी ऐतिहासिक एवं साहित्यिक स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आषाढ़ के प्रथम दिवस पर रामगढ़ महोत्सव का आयोजन किया जाता है। लगभग 44 फीट लंबी सीताबेंगरा गुफा में निर्मित प्राकृतिक रंगमंच, जोगीमारा गुफा में तीसरी-दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व की भित्तिचित्र परंपरा तथा यहाँ प्राप्त प्राचीन अभिलेख इस क्षेत्र को विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। रामगढ़ की एक अन्य महत्वपूर्ण पहचान हाथीपोल नामक प्राकृतिक सुरंग है।

## इन्फ्लुएंसर मीट से छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिलेगी वैश्विक पहचान

**रायपुर।** डिजिटल माध्यमों के जरिए छत्तीसगढ़ पर्यटन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा 26 से 30 जून 2026 तक पाँच दिवसीय इन्फ्लुएंसर मीट एवं फेमिलराइजेशन टूर का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल के तहत राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित प्रमुख सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है, ताकि उनके माध्यम से प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार देश और दुनिया तक पहुंच सके।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन मैनपाट, प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण सतरेंगा तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के रामगढ़ महोत्सव का भ्रमण कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान इन्फ्लुएंसर्स प्राकृतिक छटा, जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक लोककलाओं, पर्यटन सुविधाओं और सांस्कृतिक आयोजनों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही वे विभिन्न डिजिटल मंचों के लिए आकर्षक फोटो, वीडियो और रचनात्मक सामग्री तैयार कर रहे हैं, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की विशेषताएं लाखों दर्शकों तक पहुंचेंगी। मैनपाट अपनी मनोहारी वादियों, तिब्बती संस्कृति, झरनों और प्राकृतिक आकर्षणों के कारण प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में विशेष स्थान रखता है। वहीं सतरेंगा इको-टूरिज्म के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ गंतव्य है, जहां विशाल जलाशय, प्राकृतिक वातावरण और रोमांचक गतिविधियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। इसके साथ ही रामगढ़ महोत्सव के माध्यम से प्रतिभागी छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, लोक कलाओं और ऐतिहासिक विरासत से भी रूबरू हो रहे हैं।यह आयोजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा के नेतृत्व।

## मानसून की सुस्ती से छत्तीसगढ में पिछड़ी धान की बुआई.........

**रायपुर। संवाददाता**

छत्तीसगढ़ में मानसून की सुस्त रफ्तार ने खरीफ सीजन की शुरुआत को करीब एक सप्ताह पीछे धकेल दिया है। जून के आखिरी सप्ताह तक प्रदेश के अधिकांश जिलों में धान की बुआई शुरू हो जाती है, लेकिन इस बार किसान अब भी अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। मानसून आने के बावजूद ज्यादातर जिलों में सामान्य से 45 से 80 फीसदी तक कम बारिश हुई है। खेतों में इतनी नमी भी नहीं आ पाई कि जुताई और बुआई शुरू हो सके। जहां हल्की बारिश हुई है, वहां किसानों ने पहली जुताई कर खेत छोड़ दिए हैं। अब एक-दो अच्छी बारिश के बाद दोबारा जुताई कर बुआई की जाएगी। धान की रोपा और बोता दोनों पद्धतियों के लिए शुरुआती दौर में खेतों में पर्याप्त नमी और पानी का ठहराव जरूरी होता है, जो फिलहाल अधिकांश क्षेत्रों में नहीं बन पाया है। 25 जून को ज्येष्ठ माह की एकादशी के साथ प्रदेश में परंपरागत रूप से खरीफ बुआई का शुभारंभ माना जाता है, लेकिन इस बार अधिकांश किसानों ने केवल तैयारी की है।इस साल मानसून की शुरुआत अपेक्षा से धीमी रही है, इसलिए पिछले वर्ष की तुलना में खरीफ की बुआई कुछ पीछे है। हालांकि किसानों को इसे लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। खेती में जल्दबाजी नुकसानदायक हो सकती है। खेत में केवल ऊपरी सतह पर नमी देखकर बुआई न करें। जब तक मिट्टी करीब 88 से 10-10 इंच की गहराई तक अच्छी तरह नहीं भीग जाए, तब तक बुआई टालना ही बेहतर है।इस वर्ष मौसम वैज्ञानिकों ने मानसून अपेक्षाकृत कमजोर रहने की आशंका जताई है। ऐसी स्थिति में किसानों को कम अवधि (अर्ली मैच्योरिंग) वाली धान की किस्मों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

**दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव के समापन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम**

**साय सरकार मौलिक योजना चला पाने में फेल**

## ढाई साल में कांग्रेस की 20 योजनाओं को बंद किया

**रायपुर। संवाददाता**

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि साय सरकार ने ढाई सालों में या तो कांग्रेस सरकार के समय चलाई जा रही योजनाओं का नाम बदला है या फिर उन योजनाओं को दुर्भावनापूर्वक बंद किया है। सरकार ढाई साल में प्रदेश के हित में एक भी मौलिक योजना चला पाने में फेल साबित हुई है। सरकार के पास जनकल्याण विजन का आभाव साफ दिखता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार के ढाई साल में छत्तीसगढ़ की जनता को निराश किया है। साय सरकार पिछली सरकार की इन 20 महत्वपूर्ण योजनाओं को बंद किया। बंद योजनाओं में 400 यूनिट बिजली बिल हॉफ योजना बंद कर दिया। राजीव मितान योजना, गोधन न्याय योजना, रीपा, शहीद महेन्द्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक बीमा योजना, बेरोजगारी भत्ता, मुख्यमंत्री कर्ज माफी, सिंचाई कर माफी, महिला समूहों की ऋण माफी, सीएम आदिवासी परब सम्मान निधि, सीएम छत्तीसगढ़ी परब सम्मान निधि, कोदो-कुटकी-रागी खरीदी, नरवा-गरवा-घुरवा-बारी, मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय, मुख्यमंत्री महतारी दुलार, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन, धरसा विकास, शहरी गरीबों को पट्टा एवं आवास, छत्तीसगढ़िया ओलिंपिक, मुख्यमंत्री सुपोषण योजना को बंद किया। यह सरकार दुर्भावना वाली सरकार है।

### सरस्वती साइकिल योजना से वैष्णवी के सपनों को मिली नई उड़ान

**रायपुर।** सरस्वती साइकिल वितरण योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक प्रमुख कल्याणकारी पहल है, जिसके तहत हाई स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं को स्कूल तक आवागमन सुगम बनाने के लिए निःशुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना, उन्हें दूरदराज के क्षेत्रों से सुरक्षित और समय पर स्कूल पहुँचाने में मदद करना और ड्रॉप-आउट दर को कम करना है।छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में सार्थक पहल साबित हो रही है। सूरजपुर जिले के शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, सूरजपुर की छात्रा वैष्णवी कसेरा को निःशुल्क साइकिल प्रदान की गई, जिससे उसके शिक्षा के सपनों को नई उड़ान मिली है। बाजारपारा निवासी वैष्णवी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि पहले वह प्रतिदिन पैदल विद्यालय आती-जाती थी, जिससे समय के साथ-साथ पढ़ाई पर भी प्रभाव पड़ता था। अब शासन से निःशुल्क साइकिल मिलने के बाद विद्यालय पहुँचना आसान हो जाएगा और वह नियमित रूप से अध्ययन कर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

## बाल साहित्य और नई शिक्षा नीति को मिलेगा आयाम.....

**रायपुर। संवाददाता**

वनमंत्री केदार कश्यप राजधानी रायपुर के वृंदावन भवन में आयोजित साहित्य समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने साझा बाल काव्य संग्रह 'मोर अंगना के शोर' का विमोचन किया तथा पुस्तक से जुड़े रचनाकारों, शिक्षकों और साहित्यकारों का सम्मान किया। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके बच्चों की शिक्षा, संस्कार और रचनात्मक सोच पर आधारित होता है। बाल साहित्य बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है, जो उनमें संवेदनशीलता, कल्पना शीलता, नैतिक मूल्यों और भाषा कौशल का विकास करता है। उन्होंने कहा कि ऐसी रचनात्मक पहलें नई पीढ़ी को ज्ञान के साथ-साथ संस्कृति और समाज से भी जोड़ने का कार्य करती हैं। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि 'मोर अंगना के शोर' केवल कविताओं का संकलन नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक प्रभावी शैक्षणिक प्रयास है। यह पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के उद्देश्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि विषय आधारित बाल कविताएं बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ाने के साथ उनकी रचनात्मक क्षमता को भी विकसित करेंगी।पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता प्रत्येक कविता के साथ जोड़े गए

---

**उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैंसमा में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का हुआ आयोजन**

# शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं, लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें विद्यार्थी-मंत्री देवांगन

- भैंसमा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में डबल स्टोरी भवन एवं बाउंड्रीवाल निर्माण की हुई घोषणा

**रायपुर। संवाददाता**

प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन की अध्यक्षता में आज कोरबा विकासखंड के ग्राम भैंसमा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, पुष्प भेंट कर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष कोरबा श्रीमती बीजमोती राठिया, अध्यक्ष करतला जनपद श्रीमती अशोका विश्राम कंवर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेणुका राठिया, उपाध्यक्ष जनपद करतला श्री मनोज झा, कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत, सहायक कलेक्टर श्री ईशान जायसवाल, सीईओ श्री दिनेश नाग, डीईओ श्री टी पी उपाध्याय सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं स्कूली बच्चे व पालक उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा स्वागत गीत से अतिथियों का अभिनंदन किया व आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री देवांगन ने सभी विद्यार्थियों को नवीन शैक्षणिक सत्र के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नया सत्र नई ऊर्जा, नए संकल्प और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आगे बढ़ने का अवसर है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं होता। यह जीवन की सबसे बड़ी धरोहर है, जिसका कभी बंटवारा नहीं किया जा सकता। विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर पूरी मेहनत और लगन से

अध्ययन करें, तभी वे सफलता के शिखर तक पहुंच सकेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रतिदिन विद्यालय आने, शिक्षकों का सम्मान करने, अनुशासन का पालन करने तथा देश का जिम्मेदार एवं आदर्श नागरिक बनने का आह्वान किया। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि राज्य शासन की मंशा है कि प्रत्येक बच्चा शिक्षा प्राप्त कर अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। परिवार का एक सदस्य शिक्षित होने से पूरा परिवार जागरूक और प्रगतिशील बनता है। इसलिए शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने अभिभावकों से भी अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने तथा उनकी पढ़ाई-लिखाई में स्वयं रुचि लेने की अपील करते हुए कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन शिक्षा के क्षेत्र में लगातार प्रभावी कार्य कर रही है। विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिल, मध्यान्ह भोजन, निःशुल्क गणवेश एवं पाठ्य पुस्तकों सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। श्रम विभाग द्वारा श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी पात्र हितग्राहियों को दिया जा रहा है। उन्होंने लोगों से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) को मिले अधिकारों का लाभ जिले के विकास में प्रभावी रूप से लिया जा रहा है।

# संपादकीय

## वेनेजुएला : भूकंप की विनाशलीला

दक्षिणी अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए भयंकर भूकंप से हुई विनाशलीला दिल दहला देने वाली है। वहां भूकंप के एक के बाद एक झटके आए, जोकि अपने आप में बहुत विरल माना जाता है। भयानक भूकंप से इस देश की राजधानी कराकस समेत कई शहर तबाह हो गए हैं। वहां गुरुवार को 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंपों से तबाही मच गई। महज 40 सेकेंड में राजधानी कराकास की ऊंची इमारतें मलबे के ढेर में बदल गई। अब तक इस हादसे में 235 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और 4300 से घायल हैं। वेनेजुएला सरकार के मुताबिक 39 हजार से अधिक लोग लापता हैं। कई लोग मलबे के अंदर दबे हुए हैं। जिन्हें निकालने का काम बचाव टीमें कर रही हैं। भूकंप से मरने वालों की संख्या अनुमानित से कहीं ज्यादा हो सकती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वेनेजुएला में भूकंप के बाद 30 आफ्टर शॉक्स भी इतनी तेजी से आए कि बहुत से लोगों को जूते पहनने का भी नहीं मिला मौका। राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने आगे बताया कि क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे और घरों के पुनर्निर्माण में मदद के लिए इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) से 20 करोड़ डॉलर का फ़ंड बनाया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लगी पाबंदी हटा दी गई है। लोग सोशल मीडिया की ओर शिफ्ट कर रहे हैं और लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। वैसे भी भूकंप कभी कह कर नहीं आता। लेकिन इस प्रमुख तेल उत्पादक देश में 25 जून को साल 1821 के काराबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, एक लाख लोगों के जान गंवाने की 30% आशंका है। इस भूकंप की विनाशकता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस आपदा से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को 9.5 लाख करोड़ रुपए के नुकसान हो सकता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिगेज ने कहा कि शहर में 'दर्जनों' इमारतें ढह गई हैं। उन्होंने ला ग्वेइरा को 'आपदा क्षेत्र' और 'वास्तविक त्रासदी' बताया। इसके अलावा मिरांडा, अरागुआ, काराबोबो और फाल्कोन राज्य भी भूकंप से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। एक और अहम बात यह है कि वेनेजुएला में भूकंप के दो झटके आए, उन्हें जुड़वा भूकंप कहा जाता है। जब कभी एक ही फॉल्ट लाइन पर दो बार प्लेटों के टूटने से एनर्जी निकलती है और दोनों बार बड़े भूकंप आते हैं। इनका एपिसेंटर यानी उद्गम केंद्र एक-दूसरे के बहुत करीब होता है। जुड़वा भूकंपों के बीच कुछ सेकेंड से लेकर कई सालों का अंतर हो सकता है। वेनेजुएला में ये महज 38 सेकेंड के भीतर आ गया। इस बीच देश में आपातकाल लगा दिया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रॉड्रिगेज से बात कर मानवीय आधार पर मदद की पेशकश की है। दरअसल यह लातिनी अमेरिकी देश पिछले कुछ महीनों से काफी उथल-पुथल से गुजर रहा है। इसी साल की शुरुआत में अमेरिका ने वामपंथी नेता निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया था और उन पर मुकदमा चलाने के लिए उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया गया। तबसे वेनेजुएला का कामकाज रोड्रिगेज कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर मादुरो की सहयोगी और पूर्व उप राष्ट्रपति डेल्सी संभाल रही हैं। वेनेजुएला में यह भूकंप 'गरीबी में आटा गीला' जैसी स्थिति है। कार्यवाहक राष्ट्रपति पहले ही अमेरिका के दबाव में काम कर रही है।

**क्या आपका बच्चा भी स्कूल के खेल दिवस, दौड़ प्रतियोगिता या क्लास के सामने स्पीच देने वाले दिन सुबह-सुबह चिड़चिड़ा या अड़ियल रवैया अपनाने लगता है? क्या वह स्कूल जाने या कक्षा के सामने बोलने से साफ मना कर देता है? अगर हाँ, तो माता-पिता के तौर पर आप अकेले नहीं हैं जो इस स्थिति का सामना कर रहे हैं।**

# बच्चा चुनौतियों से भाग रहा है या डर रहा है? पैरेंट्स सिखाएं साहस का असली मतलब

(रेनू तिवारी)

दौड़ प्रतियोगिता या क्लास के सामने स्पीच देने वाले दिन सुबह-सुबह चिड़चिड़ा या अड़ियल रवैया अपनाने लगता है? क्या वह स्कूल जाने या कक्षा के सामने बोलने से साफ मना कर देता है? अगर हाँ, तो माता-पिता के तौर पर आप अकेले नहीं हैं जो इस स्थिति का सामना कर रहे हैं। क्या आपका बच्चा भी स्कूल के खेल दिवस, दौड़ प्रतियोगिता या क्लास के सामने स्पीच देने वाले दिन सुबह-सुबह चिड़चिड़ा या अड़ियल रवैया अपनाने लगता है? क्या वह स्कूल जाने या कक्षा के सामने बोलने से साफ मना कर देता है? अगर हाँ, तो माता-पिता के तौर पर आप अकेले नहीं हैं जो इस स्थिति का सामना कर रहे हैं। कई बच्चों के लिए ऐसे मौके गहरी चिंता, घबराहट और मानसिक दबाव का कारण बन जाते हैं। उनके मासूम मन में कई तरह के डरावने सवाल उठते हैं- 'अगर मैं सबसे पीछे रह गया तो?', 'अगर सब मेरा मज़ाक उड़ाएंगे तो?', 'अगर मुझसे कोई गलती हो गई तो?' ऐसे समय में पैरेंट्स एक अजीब कशमकश में फंस जाते हैं। बहुत ज्यादा दबाव डालने पर सुबह का माहौल तनावपूर्ण हो जाता है, वहीं बच्चे को घर पर रुकने की छूट देने पर यह चिंता सताती है कि कहीं हम उसे चुनौतियों से भागना तो नहीं सिखा रहे? आइए समझते हैं कि इस स्थिति को समझदारी और संवेदनशीलता से कैसे संभालें।

**डर से भागना समस्या को और बढ़ाता है- साइकोलॉजी क्या कहती है?** - जब हम किसी ऐसी चीज़ से बचते हैं जिससे हमें डर लगता है, तो हमारे दिमाग को तुरंत राहत महसूस होती है। यह तात्कालिक राहत बहुत असरदार होती है, जो बच्चे के मस्तिष्क को यह गलत संदेश देती है कि चुनौती से बचना ही सबसे सुरक्षित रास्ता है। डर का चक्र- समय के साथ डर और ज्यादा बढ़ा होता जाता है और उससे भागने की प्रवृत्ति मजबूत हो जाती है। इसीलिए बच्चों के लिए यह बेहतर है कि वे अपने डर का सामना जल्द करें, इससे पहले कि वह उनकी आदत बन जाए। नोट- इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि बच्चे को उसकी घबराहट के बावजूद जबरन किसी मुश्किल स्थिति में धकेल दिया जाए। अत्यधिक दबाव उसके मन में इस डर को स्थायी बना सकता है।

**परेशानी की असल वजह को पहचानें** - अगर आपको पहले से अंदेशा है कि स्कूल में कोई ऐसा कार्यक्रम है जिससे बच्चा असहज हो सकता है, तो पहले ही शांत माहौल में उससे बात करें। सहज तरीके से यह समझने की कोशिश करें कि वह वास्तव में किस बात से डर रहा है।

**क्या पिछली बार उसके साथ कुछ बुरा हुआ था?**

**क्या दोस्तों या क्लासमेट्स से जुड़ी कोई परेशानी है?**

**क्या उसे असफल होने या मज़ाक उड़ाए जाने का डर है?**

टिप्स बच्चों से हमेशा आमने-सामने बैठकर बात करने के बजाय सोने से पहले, टहलते समय या गाड़ी में सफर के दौरान बात करें। जब सीधा आंखों का संपर्क नहीं होता, तो बच्चे अपनी कठिन भावनाओं को ज्यादा आसानी से व्यक्त कर पाते हैं। तुरंत यह न कहें कि चिंता मत करो, सब ठीक हो जाएगा—इससे बच्चे को लगता है कि उसकी परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। उसकी भावनाओं को स्वीकार करें समाधान सुझाने से पहले बच्चे को यह महसूस कराएं कि उसका डरना बिल्कुल स्वाभाविक है। आप कह सकते हैं, "मैं समझ सकता हूँ कि यह बात अभी तुम्हें बहुत बड़ी लग रही है। ऐसे में चिंतित होना बिल्कुल नॉर्मल है। इसके बाद थोड़ा मौन रहें, यदि बच्चा रोता है तो उसे रोने दें। उसे गले लगाकर कहें, यह सचमुच मुश्किल लग रहा है, लेकिन हम साथ हैं।

**मिलकर बनाएं माइक्रो-प्लान** - बच्चे के साथ मिलकर एक ऐसी योजना बनाएं जो उसे सुरक्षित और सहज महसूस कराए। उससे पूछें, वहां जाना थोड़ा आसान कैसे हो सकता है? ऐसा कौन सा छोटा कदम है जिसे तुम संभाल सकते हो? यदि वह दौड़ने से डरता है, तो उसे दौड़ने के बजाय केवल पैदल चलकर रेस पूरी करने का विकल्प दें यदि वह स्टेज पर बोलने से डरता है, तो पूरी क्लास के बजाय पहले किसी एक भरोसेमंद टीचर को अपना भाषण सुनाने की योजना बनाएं(शुरुआत में केवल कार्यक्रम में उपस्थित रहना और दूसरों को देखना भी एक बड़ा कदम हो सकता है।

**कार्यक्रम या प्रतियोगिता वाले दिन क्या करें?** - शांत रहें- उस दिन सुबह शांत भाव से उसे पहले हुई बातचीत और बनाई गई योजना की याद दिलाएं। दबाव न डालें- आप कह सकते हैं, स्कूल जाने का समय हो गया है। मुझे पता है कि यह आसान नहीं है और तुम्हारा मन वहां जाने का नहीं कर रहा है। साथ होने का अहसास- उसकी पीठ पर हल्का हाथ रखना या सिर्फ इतना कहना कि, मैं तुम्हारे साथ हूँ, बच्चे को बहुत हिम्मत देता है। साहस का मतलब डर का न होना नहीं है, बल्कि डर के बावजूद आगे बढ़ पाना है।

**क्या पिछली बार कुछ बुरा हुआ था?** - क्या दोस्तों से जुड़ी कोई परेशानी है? क्या उसे असफल होने, दूसरों के सवाल का सामना करने या मजाक उड़ाए जाने का डर है? आप कह सकते हैं, "जब पापा ने खेल दिवस का जिक्र किया था, तब मैंने देखा कि तुम अचानक चुप हो गए थे। क्या इसकी कोई बात तुम्हें परेशान कर रही है?" बच्चे हमेशा तुरंत अपने मन की बात शब्दों में नहीं कह पाते, इसलिए उन्हें समय दें। अक्सर आमने-सामने बैठकर बात करने के बजाय सोने से पहले, टहलते समय या साथ गाड़ी में सफर करते हुए ऐसी बातचीत करना ज्यादा आसान होता है। आंखों में सीधा संपर्क न होने पर बच्चे अपनी कठिन भावनाओं के बारे में सोचना और बताना अपेक्षाकृत आसान लगता है। कोशिश करें कि तुरंत यह न कहें, ''सब ठीक हो जाएगा'' या ''चिंता की कोई बात नहीं है''। बच्चे को यह लग सकता है कि उसकी भावनाओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। कई बार सिर्फ ध्यान से सुनना ही बच्चे को खुलकर बात करने में मदद करता है। उसकी भावना को स्वीकार करें जब आपको स्थिति की कुछ समझ हो जाए, तो समाधान सुझाने से पहले बच्चे को यह महसूस कराएं कि उसकी भावना स्वाभाविक है। जब बच्चों को लगता है कि उनकी बात सुनी गई है, तब वे समाधान के बारे में सोचने के लिए ज्यादा तैयार होते हैं। आप कह सकते हैं, ''मैं समझ सकता हूं कि यह बात अभी तुम्हें बहुत बड़ी लग रही है। ऐसे में चिंतित होना बिल्कुल स्वाभाविक है।'' इसके बाद कुछ क्षण चुप रहें। संभव है बच्चा रोने लगे। कई बार डर और चिंता को समझने तथा स्वीकार करने की प्रक्रिया का यह भी हिस्सा होता है। यही वह समय होता है जब माता-पिता का मन बच्चे को तुरंत बचाने या ढांढस बंधाने का करता है। लेकिन इसके बजाय उसके साथ बने रहने की कोशिश करें। आप उसे गले लगाकर बस इतना कह सकते हैं, ''यह सचमुच मुश्किल लग रहा है।'' फिर मिलकर योजना बनाएं अब बच्चे की मदद करें ताकि वह सोच सके कि किसी गतिविधि में शामिल होने का ऐसा कौन-सा तरीका हो सकता है जो उसे सुरक्षित और सहज महसूस कराए। आप पूछ सकते हैं, ''तुम्हें क्या लगता है, वहां जाना थोड़ा आसान कैसे हो सकता है? ऐसा कौन-सा छोटा कदम है जिसे तुम संभाल सकते हो?'' संभव है वह दौड़ने के बजाय क्रॉस-कंट्री में पैदल चलना चाहे, या पूरी कक्षा के सामने बोलने से पहले अपना भाषण किसी भरोसेमंद शिक्षक को सुनाना चाहे। कभी-कभी शुरुआत में केवल कार्यक्रम में उपस्थित रहना और दूसरों को देखना भी एक अच्छा कदम हो सकता है। कुछ मामलों में शिक्षक से भी बात करना उपयोगी रहता है, ताकि स्कूल और घर दोनों जगह एक जैसी योजना पर काम हो सके। उद्देश्य यह नहीं है कि बच्चा शानदार प्रदर्शन करे, बल्कि यह है कि वह अपनी क्षमता के अनुसार भागीदारी कर सके। जल्दबाजी या दबाव से बचें। अगर बच्चा कहे, ''मुझे नहीं पता'', तो यह स्वीकार करें कि चिंता की स्थिति में सोचना मुश्किल होता है। कई बार थोड़ी देर का विराम लेकर बाद में विकल्पों पर चर्चा करना बेहतर रहता है। कार्यक्रम वाले दिन क्या करें उस दिन शांत भाव से उसे पहले हुई बातचीत और योजना की याद दिलाएं। आप कह सकते हैं, ''चलने का समय हो गया है। मुझे पता है कि यह आसान नहीं है और तुम्हारे मन में अब भी वहां जाने के लिए मना कर रहा है।'' अगर बच्चा परेशान हो जाए, तो उसके साथ बने रहें और उसकी भावनाओं को समझें। आपको हर समस्या का तुरंत समाधान ढूंढ़ने या उसे जल्दी संभालने की जरूरत नहीं है। पीठ पर हल्का हाथ रखना या सिर्फ इतना कहना, ''मैं तुम्हारे साथ हूं'', अक्सर काफी होता है। बच्चों को कई बार अपने डर को महसूस करने की जरूरत होती है, तभी वे उससे आगे बढ़ पाते हैं। यहीं से साहस पैदा होता है। साहस का मतलब डर का न होना नहीं है, बल्कि डर के बावजूद आगे बढ़ पाना है। जब बच्चे यह अनुभव करते हैं कि वे अपनी चिंताओं के साथ भी किसी गतिविधि में हिस्सा ले सकते हैं, तो चुनौतियों का सामना करने की उनकी क्षमता पर विश्वास बढ़ने लगता है। क्या कभी बच्चे की इच्छा के अनुसार चलना ठीक है? कुछ परिस्थितियों में हां। अगर बच्चा बहुत ज्यादा परेशान है, तो कभी-कभी एक कदम पीछे हटना उसे दोबारा नियंत्रण महसूस करने में मदद कर सकता है। किसी एक अवसर पर भाग न लेना कोई बड़ी समस्या नहीं है। बच्चों को कुछ चीजें पसंद न हों, यह भी स्वाभाविक है। चिंता तब होती है जब यह एक आदत बन जाए—जब बच्चा बार-बार बचने लगे या उन गतिविधियों से भी दूर रहने लगे जिन्हें वह वास्तव में करना चाहता है। अगर वह परेशान किए जाने (बुलिंग) का डर महसूस कर रहा है तो हो सकता है उसके साथ कुछ बुरा अनुभव रहा हो, तो किसी मनोवैज्ञानिक से परामर्श लेना उपयोगी हो सकता है। उपलब्धि और भागीदारी को लेकर घर में कैसी सोच विकसित करें बच्चे को किसी गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित करने वाली अधिकांश बातें कार्यक्रम वाले दिन नहीं, बल्कि घर की रोजमर्रा की बातचीत में होनी चाहिए। यह धीरे-धीरे ऐसी सोच विकसित करने का विषय है जिसमें बच्चा समझे कि हर बार जीतना, सबसे बेहतर होना या बिल्कुल सही करना जरूरी नहीं है। कुछ बातें बार-बार दोहराना उपयोगी होता है। पहली बात, हर व्यक्ति का शरीर और मस्तिष्क अलग होता है। कुछ काम किसी को आसानी से आते हैं, तो किसी को नहीं। अलग होना सामान्य बात है और इसकी तुलना करने के बजाय इसकी सराहना की जानी चाहिए। आप कह सकते हैं, ''आज मैंने अपने सहकर्मी पेनी से बहुत कुछ सीखा। उन्हें पर्यावरण के बारे में बहुत जानकारी है।'' दूसरी बात, कौशल जन्मजात नहीं बल्कि अभ्यास का परिणाम होता है। बच्चे अक्सर सोचते हैं कि खेल, संगीत या मंच पर प्रदर्शन जैसी चीजें केवल प्रतिभा पर निर्भर हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि क्षमता अभ्यास से विकसित होती है। जो बच्चा रोज खेलता है, उसके लिए खेल दिवस पर दौड़ना आसान होगा, क्योंकि उसने उसके लिए मेहनत की है, केवल इसलिए नहीं कि वह जन्म से ही ऐसा था। तीसरी बात, बच्चों को दूसरों से तुलना करने के बजाय अपने पुराने प्रदर्शन की तुलना खुद से करना सिखाएं। लक्ष्य निडर बच्चा बनाना नहीं है वास्तविक लक्ष्य बच्चे में ऐसे गुण विकसित करना है जो धीरे-धीरे और छोटे-छोटे कदमों के माध्यम से यह सीख सके कि वह कठिन काम कर सकता है, और यह कि उसके बगल में खड़े बच्चे से अलग होना जीवन का एक सामान्य और स्वीकार्य हिस्सा है।

## घरेलू मोर्चे पर झटके खा रहे ट्रंप पर पड़े असर के राजनीतिक व कूटनीतिक मायने

(कमलेश पांडे)

उल्लेखनीय है कि एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के उस आदेश को असंवैधानिक बताते हुए रोक दिया, जिसमें मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य करने की कोशिश की गई थी। अदालत ने कहा कि चुनावी नियम तय करना राष्ट्रपति का नहीं बल्कि राज्यों और कांग्रेस का अधिकार है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को हाल के दिनों में घरेलू मोर्चे पर दो बड़े झटके लगे हैं, जिनका असर उनकी राजनीतिक ताकत, चुनावी रणनीति और राष्ट्रपति पद की सीमाओं पर पड़ सकता है। लिहाजा विश्व राजनीति और कूटनीति पर भी इन घटनाओं का असर लाजिमी है। पहले हम बात करते हैं, उन दो बड़े झटके का-जहां पहला झटका- मतदान संबंधी आदेश पर अदालत की रोक का है, वहीं दूसरा झटका राष्ट्रपति की शक्तियों पर बढ़ता न्यायिक अंकुश है। उल्लेखनीय है कि एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के उस आदेश को असंवैधानिक बताते हुए रोक दिया, जिसमें मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य करने की कोशिश की गई थी। अदालत ने कहा कि चुनावी नियम तय करना राष्ट्रपति का नहीं बल्कि राज्यों और कांग्रेस का अधिकार है। वहीं दूसरी ओर ट्रंप की कई नीतियां—जैसे व्यापक टैरिफ, दूसरी प्रशासनिक एजेंसियों पर नियंत्रण और कुछ आव्रजन कदम—अदालतों में चुनौती का सामना कर रही हैं। गौरतलब है कि इसी वर्ष अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने उनके व्यापक टैरिफ अधिकारों को खारिज करते हुए कहा कि कराधान और शुल्क निर्धारण का मूल अधिकार कांग्रेस के पास है। इसे ट्रंप के आर्थिक एजेंडे पर बड़ा आघात माना गया। यह स्थिति दुनिया के अघोषित थानेदार के लिए उचित नहीं है। इसके निम्नलिखित राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं- पहला, मजबूत राष्ट्रपति की छवि को चुनौती- ट्रंप ने स्वयं को एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है जो तेज़ी से निर्णय लेकर व्यवस्था बदल सकते हैं। अदालतों द्वारा बार-बार हस्तक्षेप होने से उनके समर्थकों के बीच यह धारणा बन सकती है कि संस्थागत ढांचा उनकी नीतियों को रोक रहा है। दूसरा, रिपब्लिकन आधार का और ध्रुवीकरण- ट्रंप इन फैसलों को न्यायिक सक्रियता या डीप स्टेट की बाधा बताकर अपने समर्थकों को और अधिक संगठित करने की कोशिश कर सकते हैं।

इससे रिपब्लिकन मतदाता आधार में लामबंदी बढ़ सकती है। तीसरा, डेमोक्रेटिक पार्टी को राजनीतिक अवसर- डेमोक्रेट्स इन घटनाओं को संवैधानिक संस्थाओं की जीत और सत्ता के केंद्रीकरण पर अंकुश के रूप में पेश कर रहे हैं। इससे वे 2026 के मध्यावधि चुनावों में लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा का मुद्दा उठा सकते हैं। चौथा, कांग्रेस बनाम राष्ट्रपति की बहस तेज- टैरिफ और चुनावी नियमों पर आए फैसलों ने यह संदेश दिया है कि अमेरिकी व्यवस्था में राष्ट्रपति की शक्तियां असीमित नहीं हैं। इससे कार्यपालिका और कांग्रेस के बीच अधिकारों की खींचतान और बढ़ सकती है। पांचवां, 2026 मध्यावधि चुनावों पर प्रभाव- यदि ट्रंप अपनी प्रमुख नीतियों को लागू कराने में कठिनाई महसूस करते हैं, तो विपक्ष इसे प्रशासनिक विफलता बताएगा। वहीं ट्रंप समर्थक इसे व्यवस्था बनाम जनता की लड़ाई के रूप में प्रचारित कर सकते हैं। इसलिए ये झटके राजनीतिक रूप से नुकसान भी पहुंचा सकते हैं और ट्रंप के लिए सहानुभूति भी पैदा कर सकते हैं। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि ये दोहरे झटके केवल कानूनी पराजय नहीं हैं। इनके केंद्र में अमेरिकी संविधान में राष्ट्रपति, कांग्रेस और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन है। आने वाले महीनों में यह संघर्ष अमेरिकी राजनीति का प्रमुख विषय बन सकता है और 2026 के मध्यावधि चुनावों की दिशा भी प्रभावित कर सकता है। खास बात तो यह कि घरेलू मोर्चे पर ट्रंप की शक्तियों को मिले इन झटकों का प्रभाव केवल अमेरिकी राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व राजनीति और कूटनीति पर भी दूरगामी असर डाल सकता है। पहला, अमेरिकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न- जब किसी राष्ट्रपति की प्रमुख नीतियां अदालतों या संस्थागत बाधाओं से रुकती हैं, तो सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी दोनों देशों के मन में यह सवाल उठता है कि अमेरिका की घोषित नीतियां कितनी स्थायी हैं। इससे अमेरिकी वादों और समझौतों की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। दूसरा, टैरिफ कूटनीति की धार कमजोर- ट्रंप ने व्यापार शुल्क (टैरिफ) को विदेश नीति के एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया था। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उनके व्यापक टैरिफ अधिकारों को सीमित किए जाने से चीन, यूरोपीय संघ, भारत, कनाडा और मेक्सिको जैसे देशों पर दबाव बनाने की उनकी क्षमता कम हुई है। तीसरा, चीन को रणनीतिक अवसर-यदि अमेरिकी राष्ट्रपति की आर्थिक और व्यापारिक शक्ति सीमित होती है, तो चीन स्वयं को अधिक स्थिर और दीर्घकालिक साझेदार के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश करेगा। इससे वैश्विक दक्षिण के देशों में चीन की कूटनीतिक सक्रियता बढ़ सकती है। चौथा, यूरोप और भारत की सौदेबाजी क्षमता बढ़ेगी- यूरोपीय देशों और भारत जैसे उभरते देशों को यह संकेत मिला है कि अमेरिकी राष्ट्रपति अकेले बड़े व्यापारिक फैसले लागू नहीं कर सकते। इससे भविष्य की व्यापार वार्ताओं में इन देशों की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है।

# रूस-यूक्रेन वार में पलट गया खेल, पुतिन के गढ़ में घुसकर हमले कर रहा यूक्रेन, दुनिया हैरान

(नीरज कुमार दुबे)

रूसी अधिकारियों के अनुसार यूक्रेन की ओर से भेजे गए उनसठ ड्रोन राजधानी की तरफ बढ़ रहे थे जिन्हें रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया। हालात इतने गंभीर हो गए कि मॉस्को के चारों प्रमुख हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने अब ऐसा मोड़ ले लिया है जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। यूक्रेन ने न केवल रूस के सीमावर्ती इलाकों बल्कि राजधानी मॉस्को के भीतर तक अपनी पहुंच साबित कर दी है। जिस क्रेमलिन से राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन पूरे रूस का शासन चलाते हैं, उसके आसपास तक ड्रोन हमलों की गूंज सुनाई देने लगी है। साथ ही मॉस्को पर हुए बड़े ड्रोन हमले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध अब केवल मोर्चों पर नहीं बल्कि रूस के दिल तक पहुंच चुका है।

**राजधानी बचाने उतरा रूस** - रूसी अधिकारियों के अनुसार यूक्रेन की ओर से भेजे गए उनसठ ड्रोन राजधानी की तरफ बढ़ रहे थे जिन्हें रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया। हालात इतने गंभीर हो गए कि मॉस्को के चारों प्रमुख हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। विमानन विभाग ने कहा कि यात्रियों और उड़ानों की सुरक्षा के लिए यह कदम जरूरी था। राजधानी के लोगों ने रातभर धमाकों की आवाजें सुनीं और कई इलाकों में भय का माहौल बन गया। रूस के लिए यह केवल सुरक्षा चुनौती नहीं बल्कि प्रतिष्ठा का भी बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि यूक्रेन अब सीधे उस सत्ता केंद्र तक खतरा पैदा कर रहा है जहां से पुतिन युद्ध संचालन कर रहे हैं।

**हमले बढ़ा रहा यूक्रेन** - यूक्रेन ने हाल के महीनों में रूस की ऊर्जा व्यवस्था को भी निशाना बनाया है। मॉस्को और अन्य शहरों की तेल रिफाइनरियों पर लगातार हमले किए गए हैं। यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण कई तेल संयंत्रों का कामकाज प्रभावित हुआ और कुछ स्थानों पर ईंधन आपूर्ति बाधित हो गई।

अमेरिकी ऊर्जा अनुसंधान संस्थाओं के अनुसार रूस की लगभग एक तिहाई तेल शोधन क्षमता पर असर पड़ा है। रूस जैसे बड़े ऊर्जा उत्पादक देश में पेट्रोल की कमी दिखाई देना अपने आप में असाधारण स्थिति मानी जा रही है। कुछ इलाकों में पेट्रोल की बिक्री सीमित करनी पड़ी जबकि ईंधन निर्यात पहले ही रोका जा चुका है।

सबसे गंभीर स्थिति रूस के कब्जे वाले क्रीमिया क्षेत्र में दिखाई दे रही है। यूक्रेनी ड्रोन हमलों में कर्च शहर के तेल भंडार और क्रास्नोदार क्षेत्र के ईंधन परिवहन केंद्रों को निशाना बनाया गया। इन हमलों में कई लोगों की मौत और दर्जनों के घायल होने की खबर है। क्रीमिया प्रशासन ने आम नागरिकों को पेट्रोल बिक्री रोक दी है और केवल सरकारी सेवाओं को ही ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। सोशल मीडिया पर लोग पेट्रोल के लिए परेशान नजर आ रहे हैं जबकि कुछ लोग बाजार कीमत से दोगुने दाम पर ईंधन बेचते दिखे।

**रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने अब ऐसा मोड़ ले लिया है जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। यूक्रेन ने न केवल रूस के सीमावर्ती इलाकों बल्कि राजधानी मॉस्को के भीतर तक अपनी पहुंच साबित कर दी है। जिस क्रेमलिन से राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन पूरे रूस का शासन चलाते हैं, उसके आसपास तक ड्रोन हमलों की गूंज सुनाई देने लगी है। साथ ही मॉस्को पर हुए बड़े ड्रोन हमले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध अब केवल मोर्चों पर नहीं बल्कि रूस के दिल तक पहुंच चुका है।**

उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इन कार्रवाइयों को रूस की ऊर्जा व्यवस्था के खिलाफ लंबी दूरी की रणनीतिक कार्रवाई बताया। उनका कहना है कि रूस केवल ताकत की भाषा समझता है और यूक्रेन अब वही भाषा इस्तेमाल कर रहा है। यूक्रेन का दावा है कि इन हमलों का उद्देश्य रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करना है, क्योंकि तेल और ईंधन से होने वाली कमाई का इस्तेमाल रूस युद्ध संचालन में कर रहा है।

**पूर्वी यूक्रेन में रूस की बढ़त** - इसके अलावा, जहां एक ओर यूक्रेन रूस के भीतर गहरे हमले कर रहा है, वहीं दूसरी ओर पूर्वी यूक्रेन में रूस की सेना लगातार आगे बढ़ रही है। डोनबास क्षेत्र का महत्वपूर्ण शहर कोस्त्यांतिनिवका इस समय युद्ध का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है। यूक्रेनी सैनिकों के अनुसार रूसी सैनिक शहर के भीतर तक घुस चुके हैं और अब उसे चारों तरफ से घेरने की कोशिश कर रहे हैं। यह शहर रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बाद रूस के लिए क्रामातोर्स्क और स्लोवियांस्क जैसे प्रमुख शहरों तक पहुंच आसान हो जाएगी।

यूक्रेनी ड्रोन संचालकों का कहना है कि शहर अब लगभग धुंधले नियंत्रण क्षेत्र में बदल गया है जहां किसी एक पक्ष का पूरी तरह नियंत्रण नहीं है। रूसी सैनिक इमारतों और पेड़ों का सहारा लेकर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं। यूक्रेनी सेना के सामने सबसे बड़ी चुनौती संसाधनों और सैनिकों की कमी है। कई सैनिकों ने स्वीकार किया कि उन्हें पर्याप्त सहायता नहीं मिल रही और रूसी सेना लगातार दबाव बना रही है।

देखा जाये तो रूस की रणनीति अब केवल सीधे हमले तक सीमित नहीं है। रूसी ड्रोन इकाइयां यूक्रेनी ड्रोन प्रक्षेपण स्थलों को नष्ट करने पर विशेष ध्यान दे रही हैं ताकि यूक्रेन की निगरानी और जवाबी कार्रवाई कमजोर हो सके। यूक्रेनी सैनिकों का कहना है कि यदि उन्होंने अपनी रणनीति नहीं बदली तो रूस धीरे-धीरे और इलाकों पर कब्जा करता जाएगा।

**यूक्रेन-पोलैंड के बीच विवाद बढ़ा** - उधर, युद्ध का असर केवल सैन्य मोर्चों तक सीमित नहीं है बल्कि राजनीतिक संबंधों पर भी दिखाई दे रहा है। पोलैंड और यूक्रेन के बीच दूसरे विश्व युद्ध से जुड़े ऐतिहासिक मुद्दों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। पोलैंड के राष्ट्रपति कारोळ नावरोत्स्की ने राष्ट्रपति जेलेंस्की से देश का सर्वोच्च सम्मान वापस ले लिया है। इसके विरोध में यूक्रेन के कई पूर्व राष्ट्रपतियों और वरिष्ठ नेताओं ने अपने पोलिश सम्मान लौटा दिए। दरअसल, विवाद उस यूक्रेनी सैन्य इकाई के नाम को लेकर है जिसे ऐसे राष्ट्रवादी संगठन के नाम पर रखा गया जिस पर दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पोलिश नागरिकों के नरसंहार का आरोप है।

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने इस टकराव को दोनों देशों के लिए खतरनाक बताया है। उनका कहना है कि ऐसे विवाद व्यापार, भू राजनीति और दोनों देशों की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाएंगे। वहीं जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन और पोलैंड मित्र बने रहेंगे और दोनों देशों के बीच टकराव केवल रूस को फायदा पहुंचाएगा।

बहरहाल, इन घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि रूस और यूक्रेन का युद्ध अब केवल सीमावर्ती संघर्ष नहीं रह गया है। यूक्रेन ने मॉस्को तक पहुंच कर रूस को चौंका दिया है, जबकि रूस पूर्वी यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को और तेज कर रहा है।

ऊर्जा संकट, ड्रोन युद्ध, राजनीतिक तनाव और नागरिकों की बढ़ती परेशानियां इस संघर्ष को और अधिक जटिल बना रही हैं इसलिए अब केवल रूस और यूक्रेन ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया इस युद्ध के अंत का इंतजार कर रही है। हालांकि मौजूदा हालात देखकर ऐसा लगता है कि पुतिन और जेलेंस्की, दोनों ही पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। साथ ही दुनिया के कई देशों की युद्ध आधारित अर्थव्यवस्था और हथियार उद्योग भी इस संघर्ष को जल्दी खत्म होने देने के पक्ष में दिखाई नहीं देते। ऐसे में शांति की उम्मीद फिलहाल दूर ही नजर आ रही है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

**बांदे में 'पांच पैर वाले नंदी बैल' और 'स्वयं सुंदरी भस्म' के नाम पर ठगी**

# अंधविश्वास फैलाकर ठगी करने वाले महाराष्ट्र के शातिर गिरोह को बांदे पुलिस ने दबोचा, 4.96 लाख नकद और पिकअप वाहन जब्त

**कांकेर।** कांकेर जिले के थाना बांदे अंतर्गत अंधविश्वास फैलाकर और घर में गड़ा हुआ सोना निकालने का झांसा देकर 5 लाख रुपये की ठगी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के नागपुर और गढ़चिरौली क्षेत्रों से कुल 06 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से ठगी गई रकम में से 4,96,000 रुपये नकद और एक पिकअप वाहन बरामद किया गया है।

यह पूरी प्रभावी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पखांजूर राकेश कुर्रे एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पखांजूर रवि कुजूर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बांदे रामचंद्र साहू के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई है। घटना के विवरण के अनुसार, प्रार्थी बलराम सरकार, पिता स्वर्गीय नरेन सरकार (उम्र 53 वर्ष), निवासी पीव्ही-104 दीपनगर, थाना बांदे, जिला कांकेर ने थाने में उपस्थित होकर एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रार्थी ने बताया कि दिनांक 17.05.2026 को दोपहर लगभग 12 बजे एक अज्ञात व्यक्ति साधु के वेश में पांच पैर वाले नंदी बैल के साथ उसके घर भीख मांगने आया था। प्रार्थी ने नंदी बैल को आलू खिलाकर 20 रुपये दान दिए। इस दौरान उक्त व्यक्ति ने परिवार की बीमारी दूर करने का आशीर्वाद देने की बात कही और बताया कि उसके घर में सोना गड़ा हुआ है, जिसे निकाले बिना परिवार की बीमारी दूर नहीं होगी। आरोपी ने सोना निकालने के लिए ÷स्वयं सुंदरी भस्म÷ नामक महंगी दवा खरीदने की सलाह दी और अपना मोबाइल नंबर 9325441562 दिया। इसके बाद आरोपी के कहने पर प्रार्थी गढ़चिरौली पहुंचा, जहां उसे कारगिल चौक, गोधनकर कॉम्प्लेक्स,चंद्रपुर रोड स्थित ÷मां जमुना आयुर्वेदिक दुकान÷ ले जाया गया। वहां दुकानदार से 52,000 रुपये देकर एक ग्राम ÷स्वयं सुंदरी भस्म÷ खरीदी गई।

ठगी का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका; दिनांक 02.06.2026 को आरोपी दो अन्य व्यक्तियों के साथ कार से प्रार्थी के घर पहुंचे। रात में पूजा-पाठ कर घर से एक छोटा कल निकालकर उसमें सोने जैसी वस्तु दिखाकर उसे लाल कपड़े में बांध दिया गया तथा प्रार्थी को डराया गया कि बिना अनुमति कलश खोलने पर परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाएगी।इसके बाद आरोपियों ने ÷नव जीवन अमृत भस्म÷ नामक और भी महंगी दवा खरीदने का दबाव बनाया। प्रार्थी द्वारा आर्थिक स्थिति कमजोर होने की बात कहने पर आरोपी दो ग्राम दवा खरीदने पर सहमत हुए। प्रार्थी ने 4,44,000 रुपये देकर उक्त दवा खरीदी और आरोपियों के निर्देश पर उसे पूजा स्थल के गड्ढे में डाल दिया। जब आरोपी लगातार तीन ग्राम और अतिरिक्त दवा खरीदने का दबाव बनाने लगे, तब प्रार्थी को संदेह हुआ।

उसने जब कलश खोलकर देखा तो उसमें सोने के रंग की 21 मूर्तियां थीं, जो घिसने पर पीतल की निकलीं। इस प्रकार आरोपियों एवं दुकानदार द्वारा भय दिखाकर कुल 5,00,000 रुपये की ठगी की गई, जिसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ और उसने थाना बांदे में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल साइबर सेल कांकेर की मदद से तकनीकी साक्ष्यों एवं लोकेशन के आधार पर महाराष्ट्र राज्य में दबिश दी। संयुक्त पुलिस टीम ने नागपुर एवं गढ़चिरौली क्षेत्र से कुल 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में भोला गवते (उम्र 40 वर्ष), मुकेश सोनेश्वर (उम्र 31 वर्ष), लीलाधर शिवाजी वाघमारे उर्फ नीलेश (उम्र 35 वर्ष), परमेश्वर एकनाथ उर्फ देवा (उम्र 37 वर्ष), और दिनेश सोनेश्वर (उम्र 30 वर्ष) शामिल हैं, जो थाना मोहपा, जिला नागपुर (महाराष्ट्र) के निवासी हैं। वहीं, एक अन्य आरोपी शिवागिरी पिता सुरेश गिरी (उम्र 28 वर्ष) निवासी गोसाई मोहल्ला, थाना गढ़चिरौली (महाराष्ट्र) का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी भोला गवते से 70,000 रुपये एवं पिकअप वाहन, मुकेश सोनेश्वर से 76,000 रुपये, शिवा से 50,000 रुपये, दिनेश से 1,00,000 रुपये, निलेश से 1,00,000 रुपये और देवा से 1,00,000 रुपये, इस तरह कुल 4,96,000 रुपये की नकद रकम बरामद की है। इस पूरी सफल कार्रवाई में निरीक्षक रामचंद्र साहू (थाना प्रभारी बांदे), प्रशिक्षु उप निरीक्षक विवेक वर्मा, सहायक उप निरीक्षक राजकुमार सिन्हा, प्रधान आरक्षक सूर्यदेव कुंजाम, आरक्षक यशवंत मंडावी, नरोत्तम कुलदीप तथा साइबर सेल कांकेर से निरीक्षक यशवंत श्याम, प्रधान आरक्षक नारद सिंह देवांगन, आरक्षक जितेन्द्र नाग एवं भूपेश नेताम की अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय भूमिका रही।

# कुआकोंडा में भावुक विदाई : सेवानिवृत्ति के दिन ही मिली पेंशन स्वीकृति

**किरन्दुल।** कुआकोंडा विकासखंड में शिक्षा जगत का एक अविस्मरणीय दिन रहा। राज लक्ष्मी सिन्हा, प्रधान अध्यापक माध्यमिक शाला कलार पारा, मैलावाड़ा को उनके 35 वर्षों के आदर्श सेवाकाल के पश्चात 30 जून को सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

इस समारोह की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया के प्रयासों और त्वरित कार्यवाही के कारण सिन्हा को सेवानिवृत्ति के दिन को ही मंगलवार पीपीओ आदेश प्रदान किया गया। सामान्यतः सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पीपीओ के लिए महीनों प्रतीक्षा करनी पड़ती है, ऐसे में एक ही दिन में आदेश मिलना सभी के लिए प्रेरणादायी रहा। इस ऐतिहासिक अवसर पर कलेक्टर जिला दंतेवाड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में पधारकर अपने कर-कमलों से राज लक्ष्मी सिन्हा को पीपीओ आदेश सौंपा। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं और समय पर पेंशन देना हमारा कर्तव्य है। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कुआकोंडा प्रमोद भदौरिया एवं सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज सिंह राठौर उपस्थित रहे। विभागीय अधिकारियों ने वरिष्ठ शिक्षिका सिन्हा की निष्ठापूर्ण सेवा, बच्चों के प्रति समर्पण और शासकीय दायित्वों के प्रति ईमानदारी की मुक्तकंठ से सराहना की।बताया गया कि माध्यमिक शाला कलार पारा में उनके कार्यकाल में शाला की शैक्षणिक गुणवत्ता और नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई।

सभी औपचारिकताएं पूर्ण की गई और विभाग द्वारा उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

# फरसगांव तहसील में नामांतरण के नाम पर रिश्वतखोरी एसीबी ने 10 हजार लेते रीडर को दबोचा

**फरसगांव।** एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार को फरसगांव तहसील कार्यालय में ACB की टीम ने तहसीलदार के रीडर को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि नामांतरण के एक प्रकरण में रीडर द्वारा 70 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी, जिसमें शिकायतकर्ता पहले ही 35 हजार रुपये दे चुका था। तीसरी किश्त लेते ही ACB ने जाल बिछाकर आरोपी को दबोच लिया। अब मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

कोंडागांव जिले के फरसगांव तहसील कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया, जब एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने तहसीलदार के रीडर मुकेश रंगारी को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई। रिश्वत की राशि जब्त कर आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई है।ACB ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता बिस्सूलाल नेताम के अनुसार, नामांतरण प्रकरण में उसके पिता और बुआ का नाम दर्ज करने के एवज में रीडर द्वारा 70 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना ACB को दी। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर ACB ने ट्रैप की योजना बनाई। बताया गया कि शिकायतकर्ता पहले ही दो किश्तों में 35 हजार रुपये दे चुका था। मंगलवार को तीसरी किश्त के रूप में 10 हजार रुपये देते समय ACB की टीम ने आरोपी को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी चंद्रशेखर ध्रुव ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में फिलहाल किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता सामने नहीं आई है। हालांकि, मामले की जांच जारी है और यदि विवेचना के दौरान किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है, तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आरोपी को कोंडागांव विशेष न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

# सीआरपीएफ के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया याद

**नारायणपुर।** छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में सीआरपीएफ की 39वीं बटालियन के 27 वीर जवान शहीद हो गए थे। यह हमला नारायणपुर जिले के धौड़ाई थाना क्षेत्र से करीब 3 किलोमीटर दूर महाराबेड़ा में हुआ था । इस हमले के शहीदों की शहादत को नारायणपुर में याद किया गया। नारायणपुर जिला मुख्यालय के जय स्तंभ चौक में नरेंद्र मेश्राम के मार्गदर्शन में शहीद जवानों को याद किया गया। इन जवानों की शहादत से बस्तर संभाग से नक्सलियों के राज को खत्म कर दिया गया है एवं नारायणपुर जिला नक्सल मुक्त हो पाया है। जयस्तम चौक में सभी शहीद जवानों के छायाचित्र के सामने मोमबत्ती जलाकर एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर में बृजमोहन देवांगन, रूपसाय सलाम, नारायण मरकाम, गुलाब बघेल, सुदीप झा, पंकज जैन, चंदेल सर, जैकी कश्यप, प्रशांत ठाकुर, मयंक जैन, संजय नंदी, कमलापति मिश्रा, अनिल खोबरागड़े , विजय तिवारी,साधन, आदि लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की

# नक्सली मामलों में वर्षों से जेलों में बंद निर्दोष आदिवासियों की रिहाई के लिए विधायक मंडावी ने सीएम को लिखा पत्र

**बीजापुर।** बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने नक्सली मामलों में वर्षों से जेलों में बंद निर्दोष आदिवासियों को रिहा करने की मांग करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लिखे पत्र में विधायक विक्रम मंडावी ने कहा है कि बस्तर संभाग आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है और बीजापुर जिला नक्सल प्रभावित क्षेत्र था। जिसके चलते बस्तर संभाग के जेलों में नक्सलियों के नाम पर कई गरीब, निर्दोष आदिवासी ग्रामीणों को जेल भेजा गया है और ये लोग कई वर्षों से जेल में बंद है। आदिवासी ग्रामीण कम पढ़े-लिखे होने और आर्थिक पारेशानी के कारण न्यायालय तक नही जा पाते है जिससे जेलों में बंद निर्दोष आदिवासी रिहा नही हो पाते है। विधायक विक्रम मंडावी ने अपने पत्र में आगे कहा है कि वर्तमान में बस्तर नक्सल मुक्त हो चुका है। हथियार बंद आत्मसर्मपण नक्सलियों को भी पुनर्वास नीति के तहत् सरकार ने माफी दिया है, तो जो निर्दोष आदिवासी नक्सली मामलों में वर्षों से जेलों में बंद है उन्हें भी माफी देते हुए जेल से रिहा किया जाये।

## छत्तीसगढ़ से अमरनाथ यात्रा के लिए मिली हरी झंडी

**रायपुर।** अमरनाथ सेवा समिति के तत्वाधान में समुच्चय छत्तीसगढ़ से अमरनाथ यात्रा के लिए शिव भक्त दोपहर 12:40 को नीलकंठेश्वर एक्सप्रेस से प्रथम जथा रवाना हुआ जिसको हरी झंडी दिखा कर बुधेश्वर मंदिर के पंडित महेश पांडेय ने मंगल तिलक लगा कर माला पहनाकर संख ध्वनि के साथ बीदा किया।

# जगदलपुर में भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश अधिवेशन कराने बैठक सम्पन्न

**जगदलपुर।** भारतीय मजदूर संघ जिला बस्तर के अध्यक्ष लीलेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता,मुख्य अतिथि सी वी राजेश - भारतीय मजदूर संघ के पश्चिम क्षेत्र एवं मध्य क्षेत्र संगठन मन्त्री एवं छत्तीसगढ़-म. प्र.-राजस्थान-गुजरात-महाराष्ट्र-विदर्भ-गोवा आदि प्रान्तों के प्रान्त प्रभारी के मुख्य आतिथ्य, दिनेश पाण्डे-भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय पदाधिकारी सह उद्योग प्रभारी (नान कोल) के विशिष्ट अतिथि, प्रदेश मंत्री विकास सिंह,जिला मन्त्री-तोरण हिरवानी के निर्देशन,रमऊ लाल सार्वा राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ के पूर्व कार्यकारी प्रान्ताध्यक्ष एवं भारतीय मजदूर संघ के बस्तर सम्भाग प्रभारी के मार्गदर्शन,राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश मन्त्री-चन्द्र प्रकाश देवांगन,भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ छत्तीसगढ रायपुर परिमंडल के सचिव-हेमन्त पाण्डे, नागेन्द्र सिंह सम्भागीय उपाध्यक्ष ,स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष - शरद दुबे , निवेश केसरवानी, इस्पात मजदूर संघ नगरनार से रंजीत सेठिया, राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ से यू धर्मेन्द्र पटनायक, गजेन्द्र कुमार दिल्लीवार, विजय साहू, रविकान्त झा,धर्मराज चौधरी,बिजली कर्मचारी संघ महासंघ छ.ग. से पारितोष पॉल, संजय कौशिक,हेमन्त सेठिया की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में दिए गए आगामी लक्ष्य बिन्दु- 26,27,28- 3-2027भारतीय मजदूर संघ छत्तीसगढ़ का प्रदेश अधिवेशन जगदलपुर में कराने, कार्यकर्ता नेतृत्व क्षमता विकास कार्यशाला 18,19 जुलाई 2026 विश्रामपुर (बलरामपुर) में जिला से प्रतिनिधियों को भेजने, BMS की सम्पूर्ण जानकारी के लिए सितम्बर में अभ्यास वर्ग सह जिला अधिवेशन कराने,70 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 23 जुलाई को स्थापना दिवस का बेनर/फ्लेक्स और नीचे यूनियन का नाम लिख कर ऑफिसों के सामने लगा कर झण्डा वन्दन करने , प्रदेश अधिवेशन के पूर्व 3 यूनियन का पंजीयन कराने,अन्त्योदय याने जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं जैसेः- रोटी-कपड़ा-मकान-स्वास्थ्य-शिक्षा कहा जाता है परन्तु BMS ने शोषित-पीड़ित- वंचित जनों का भाग्य बनाने वाले हम शब्द का उपयोग कर एक एक कार्यकर्ता के घर एवं नए लोगों के घर तक BMS की विस्तृत बात पहुँचाने पर चर्चा हुई।

**जगदलपुर की जलवंतीन लहरे और मृदुला जैन बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल**

# मेहनत, हौसले और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से बदली जिंदगी की कहानी

**जगदलपुर।** राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के माध्यम से संचालित प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने शहर के छोटे व्यवसायियों के जीवन में नई उम्मीद और आत्मनिर्भरता का संचार किया है। कोविड-19 के कठिन दौर में बंद हुए छोटे कारोबार को फिर से खड़ा करने में यह योजना आर्थिक सहारा बनी। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है जगदलपुर की जलवंतीन लहरे और मृदुला जैन की, जिन्होंने संघर्षों से निकलकर अपने व्यवसाय को फिर से स्थापित किया।

**आलू-प्याज विक्रय से आत्मनिर्भर बनीं जलवंतीन लहरेः** बस्तर जिला के रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड जगदलपुर निवासी जलवंतीन लहरे संजय मार्केट में ठेला लगाकर आलू-प्याज बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण करती थीं। पति के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। इसी बीच कोविड लॉकडाउन के दौरान बाजार बंद होने से उनका व्यवसाय पूरी तरह प्रभावित हो गया और आर्थिक स्थिति काफी कमजोर हो गई। व्यवसाय को दोबारा शुरू करने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 10 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया और फिर से ठेला लगाकर आलू-प्याज विक्रय का कार्य शुरू किया। धीरे-धीरे बिक्री बढ़ी और आमदनी में सुधार होने लगा। उन्होंने समय पर ऋण की किस्तों का भुगतान किया तथा डिजिटल लेन-देन को भी अपनाया।

जलवंतीन ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत प्राप्त 10 हजार और 20 हजार रुपये के ऋण का सफलतापूर्वक भुगतान किया। वर्तमान में वे 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त कर अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ा रही हैं। आज उनकी आर्थिक स्थिति पहले से काफी बेहतर है। वे स्वयं आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ अन्य लोगों को भी प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभों के प्रति जागरूक कर रही हैं।

### फल दुकान से जूस सेंटर के सपने तक पहुंचीं मृदुला जैन

शांति नगर वार्ड जगदलपुर निवासी मृदुला जैन नया बस स्टैंड में ठेले पर फल दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं। लेकिन कोविड लॉकडाउन के दौरान बसों का संचालन बंद होने से उनका व्यवसाय भी प्रभावित हुआ और परिवार चलाना मुश्किल हो गया। ऐसे समय में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना उनके लिए सहारा बनी। योजना के तहत 10 हजार रुपये का ऋण प्राप्त कर उन्होंने दोबारा फल दुकान शुरू की। ग्राहकों की संख्या बढ़ने लगी और आमदनी में सुधार हुआ। उन्होंने ऋण की राशि समय पर जमा की और बैंकिंग एवं डिजिटल लेन-देन को भी अपनाया। मृदुला जैन ने 10 हजार रुपये के ऋण का पूरा भुगतान करने के बाद वर्तमान में 20 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया है। बढ़ते व्यवसाय से उत्साहित होकर अब वे अपना जूस सेंटर शुरू करने की योजना बना रही हैं।

# 1098 पर सूचना मिलते ही प्रशासन पहुंचा गांव, परिजनों ने पढ़ाई जारी रखने और विवाह नहीं कराने का दिया लिखित आश्वासन

### जागरूकता लाई रंग, समय रहते रुका 15 वर्षीय किशोरी का बाल विवाह

**बीजापुर।** जिले में बाल विवाह रोकथाम को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान का सकारात्मक असर सामने आया है। भोपालपटनम विकासखंड के एक गांव में 15 वर्षीय किशोरी का प्रस्तावित बाल विवाह समय रहते मिली सूचना के आधार पर रोक दिया गया। प्रशासन की समझाइश के बाद परिजनों ने बालिका की शिक्षा जारी रखने और भविष्य में बाल विवाह नहीं कराने का लिखित आश्वासन दिया।जानकारी के अनुसार, एक जागरूक नागरिक ने संभावित बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और महिला हेल्पलाइन 181 पर दी। सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग एवं चाइल्ड लाइन की टीम तत्काल गांव पहुंची। टीम ने किशोरी के माता-पिता, परिजनों और ग्रामीणों को बाल विवाह के सामाजिक दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर समझाइश दी।समझाइश का असर हुआ और परिवार ने बाल विवाह का निर्णय वापस ले लिया। साथ ही बालिका की पढ़ाई निरंतर जारी रखने पर सहमति जताई। विभाग ने संबंधित परिवार से भविष्य में बाल विवाह नहीं कराने का लिखित आश्वासन भी लिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। यदि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले तो तत्काल 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) या 181 (महिला हेल्पलाइन) पर सूचना दें। समय पर दी गई सूचना किसी बच्चे का भविष्य सुरक्षित कर सकती है।

## संक्षिप्त समाचार

### महिला से छेड़छाड़ और अभद्रता करने वाला आरोपी गिरफ्तार, तोरवा पुलिस ने भेजा जेल

**बिलासपुर।** तोरवा थाना पुलिस ने महिला से छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। महिला संबंधी अपराध की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, देवरीडीह निवासी पीड़िता ने 29 जून 2026 को थाना तोरवा में शिकायत दर्ज कराई कि उसी दिन शाम करीब 7:30 बजे मोहल्ले के रहने वाले राम मोंगरे ने उस पर बुरी नीयत से हमला करते हुए उसका हाथ और बांह पकड़कर छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता द्वारा पहनी गई लेगिंग भी फाड़ दी। शिकायत मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक रजनीश सिंह के निर्देशन में पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। पेट्रोलिंग टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी राम मोंगरे, निवासी देवरीडीह, थाना तोरवा, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 356/2026 के तहत धारा 74 और 296 बीएनएस में मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। तोरवा पुलिस ने कहा कि महिलाओं से जुड़े अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित और सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

### नशे की हालत का उठाया फायदा, बाइक, मोबाइल और सोने की बाली चुराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

**बिलासपुर।** तोरवा थाना पुलिस ने नशे की हालत में युवक से मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और सोने की बाली चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया पूरा सामान बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, ग्राम ढेका निवासी श्रवण कुमार ने 27 जून 2026 को थाना तोरवा में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह मुक्तिधाम के पास स्थित शराब भट्ठी के समीप नशे की हालत में था। इसी दौरान दो अज्ञात युवक उसे अपने साथ कुछ दूरी तक ले गए और उसकी नशे की अवस्था का फायदा उठाकर पल्सर मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और सोने की बाली चोरी कर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर थाना तोरवा में अपराध क्रमांक 464/2026 के तहत धारा 303(3), 3(5) बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक रजनीश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनीस मसीह (40 वर्ष), निवासी देवरीडीह तथा अरुण उर्फ गोलू (20 वर्ष), निवासी देवरीखुर्द, थाना तोरवा के रूप में हुई। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर पल्सर मोटरसाइकिल (छ्त-10 ङ्ह-7932), एक मोबाइल फोन और एक सोने की बाली बरामद की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

### पूंजीपथरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक समेत दो पल्सर जब्त

**रायगढ़।** रायगढ़ जिले की पूंजीपथरा पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई बजाज पल्सर मोटरसाइकिल बरामद करने के साथ ही चोरी की वारदात में इस्तेमाल की गई दूसरी पल्सर बाइक भी जब्त की है। जब्त दोनों मोटरसाइकिलों की कुल कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, पूंजीपथरा निवासी आशीष कुमार बान्डेकर ने 27 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उन्होंने 26 जून की रात अपनी नई बजाज पल्सर 125 (छ्त-13-ङ्ब-2757) घर की परछी में खड़ी की थी, जो सुबह गायब मिली। शिकायत पर थाना पूंजीपथरा में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम महुआ चौक, तुमीडीह के पास संदिग्ध हालत में घूम रहे एक युवक को पकड़कर पूछताछ के लिए थाने लाई। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम राम सिदार (30), निवासी ग्राम चिराईपानी, थाना पूंजीपथरा बताया और बाइक चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह चोरी करने के इरादे से अपनी पल्सर बाइक (छ्त-13-ङ्घ-7026) से पूंजीपथरा आया था, लेकिन रास्ते में पेट्रोल खत्म होने पर उसने अपनी बाइक रायगढ़ आयरन प्लांट के पास झाड़ियों में छिपा दी। इसके बाद वह बस्ती में पहुंचा और एक घर की परछी में खड़ी बजाज पल्सर चोरी कर अपने घर ले जाकर छिपा दी।

## न्योता भोज में बच्चों के साथ किया भोजन

# केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू एवं उप मुख्यमंत्री अरुणसाव ने नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर किया आत्मीय स्वागत

■ जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास पर दिया गया जोर

**बिलासपुर।** केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज यहां सेजेस लाल बहादुर शास्त्री, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर स्थित देवकीनंदन दीक्षित सभागार में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कर आत्मीय स्वागत किया। अतिथियों ने बच्चों के साथ न्योता भोज में शामिल होकर भोजन किया एवं छात्राओं का सरस्वती सायकल योजना के तहत सायकल का वितरण भी किया। उन्होंने नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ पर विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने, संस्कारवान नागरिक बनने और अपने माता-पिता, गुरुजनों तथा प्रदेश का नाम रोशन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पांडे, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता संतोष कश्यप, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अंबिका साहू, पूर्व महापौर श्री किशोर राय, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल,

जिला शिक्षा अधिकारी श्री रामेश्वर जायसवाल, श्री दीपक सिंह, श्री मोहित जायसवाल, राजेश सिंह, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक, पालक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पालकों को नए शिक्षा सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शाला प्रवेशोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति समाज की सामूहिक जिम्मेदारी का उत्सव है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में उसकी प्राथमिक पाठशाला की स्मृतियां हमेशा बनी रहती हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अच्छे संस्कार और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से पूरे मन से अध्ययन कर अपने परिवार, समाज, प्रदेश और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि सरकार बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए लगातार विद्यालयों में सुविधाओं का विस्तार कर रही है। आज स्कूलों में भवन, पेयजल, शौचालय, फर्नीचर और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि यदि जीवन में सम्मानपूर्वक आगे बढ़ना है तो कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है।

# डीएमएफ से बदली खनन प्रभावित गांवों की तस्वीर

■ मुढ़ापार-कोरबी सड़क बनी विकास की नई पहचान

■ कलेक्टर कुणाल दुदावत ने डीएमएफ से जिले के विकास के लिए की है प्लानिंग

**कोरबा।** जिले के खनन प्रभावित क्षेत्रों में लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं का अभाव ग्रामीणों के विकास में बड़ी बाधा बना हुआ था। गांवों की जर्जर सड़कें, विशेषकर वर्षा ऋतु के दौरान, लोगों की परेशानी का प्रमुख कारण थीं। आवागमन बाधित होने से विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचने, मरीजों को अस्पताल जाने, किसानों को अपनी उपज बाजार तक ले जाने तथा ग्रामीणों को दैनिक आवश्यक कार्यों के लिए अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई बार सड़क पर कीचड़ और जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना भी मुश्किल हो जाता था। इन समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से विभिन्न विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। इन्हीं विकास कार्यों में ग्राम मुढ़ापार से धतूरा होते हुए कोरबी एवं खम्हरिया तक सड़क के नवीनीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य शामिल किया गया। यह लगभग 4.40 किलोमीटर लंबी सड़क वर्षों से अत्यंत जर्जर स्थिति में थी। बरसात के मौसम में पूरी सड़क कीचड़ से भर जाती थी, जिससे ग्रामीणों का आवागमन लगभग ठप हो जाता था। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं माननीय विधायक श्री प्रेमचंद पटेल द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हुए इस सड़क के नवीनीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की मांग जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से किए जाने का प्रस्ताव रखा गया। ग्रामीणों की इस बहुप्रतीक्षित मांग को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से 180.93 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इसके बाद निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। निर्माण एजेंसी ने निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए 15 अप्रैल 2026 को सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया।

# एसईसीएल सुराकछार खदान में कबाड़ चोरों ने लगाई सेंध

सुरक्षाकर्मियों पर जानलेवा हमला कर डकैती की घटना को दिया अंजाम, कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

**कोरबा।** जिले में कबाड़ माफिया का नेटवर्क लगातार बेखौफ होता जा रहा है। पुलिस कप्तान की सख्ती और जिला प्रशासन द्वारा हाल ही में एक कबाड़ माफिया के अवैध आलीशान मकान पर बुलडोजर चलाने जैसी कार्रवाई के बावजूद अपराधियों में कानून का कोई डर नजर नहीं आ रहा है। ताजा मामला बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र का है, जहां एसईसीएल की सुराकछार भूमिगत खदान में दो दर्जन से अधिक हथियारबंद कबाड़ चोरों ने धावा बोलकर डकैती की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने सुरक्षाकर्मियों के साथ बेरहमी से मारपीट कर एक कर्मी से मोबाइल फोन और नकदी ली। और फिर खदान से कीमती कॉपर केबल काटकर फरार हो गए। इस पूरी घटना ने एक बार फिर बांकी मोंगरा पुलिस की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा करने के साथ ही जिले की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक ये पूरा घटनाक्रम बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि एसईसीएल की सुराकछार भूमिगत में शुक्रवार 26 जून की देर रात दो दर्जन से अधिक नकाबपोश बदमाश घुस गये। घटना के वक्त सुराकछार के 3-4 नंबर खदान में सुरक्षाकर्मी परमात्मा, चेतन, जयपाल, विश्वनाथ राठौर, लक्ष्मीनारायण नाइट शिफ्ट की ड्यूटी पर थे। खदान में घुसने के बाद कबाड़ चोरों ने इन सुरक्षाकर्मियों पर हमला कर दिया और मारपीट के बाद बंधक बना लिया। सुरक्षाकर्मी को घायल करने के बाद कबाड़ चोर खदान के हाजिरी बाबू विश्वनाथ राठौर के केबिन में पहुंचकर मोबाइल और पर्स में रखे 4500 रुपये लूट लिए। वहीं घायल सुरक्षाकर्मियों को दूसरे दिन सुबह विभागीय अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। घायल सुरक्षाकर्मियों के मुताबिक घटना के बाद कबाड़ चोर खदान परिसर से कीमती केबल लेकर फरार हो गये।

# स्वच्छ,हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल रेलवे की दिशा में विशेष पहल.....!

**बिलासपुर।** रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (Solid Waste Management-SWM) 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से 30 जून एवं 01 जुलाई 2026 को बिलासपुर मंडल के 09 प्रमुख रेलवे स्टेशनों—बिलासपुर, शहडोल, अनूपपुर, पेंड्रारोड, उमरिया, अम्बिकापुर, कोरबा, रायगढ़ एवं चांपा में संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। बिलासपुर रेलवे स्टेशन के मुख्य स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में 30 जून को आयोजित संवाद कार्यक्रम में मंडल यांत्रिक अभियंता (पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग) श्री साईं रमेश, मुख्य स्टेशन प्रबंधक

तथा विद्युत, यांत्रिक, चिकित्सा, वाणिज्य एवं इंजीनियरिंग विभाग के पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। इसी प्रकार शहडोल, अनूपपुर, पेंड्रारोड, उमरिया, अम्बिकापुर, कोरबा, रायगढ़ एवं चांपा रेलवे स्टेशनों पर भी संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी अनुपालन, विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय, कचरे के स्रोत पर पृथक्करण (Segregation), वैज्ञानिक संग्रहण एवं प्रसंस्करण, प्लास्टिक अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन तथा स्टेशन परिसरों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेलवे स्टेशनों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना, स्वच्छता संबंधी मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी विभागों की सहभागिता एवं जवाबदेही को सुदृढ़ करना है । बैठक में सभी संबंधित विभागों ने निर्धारित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन मानकों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने तथा रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों को स्वच्छ, सुरक्षित, स्वस्थ एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाए रखने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का सामूहिक संकल्प व्यक्त किया।

# सहकारी सप्ताह का हुआ भव्य आगाज

■ सहकारिता आंदोलन की भावना को जन-जन तक पहुंचाने की मंशा के साथ नोडल कार्यालय समेत जिले की सभी पैक्स समितियों एवं जिला सहकारी बैंक शाखाओं में हुआ ध्वजारोहण

**कोरबा।** राज्य एवं केंद्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय के दिशानिर्देशानुसार सहकारिता आंदोलन की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आज से देशव्यापी 'सहकारी सप्ताह' का शुभारंभ हुआ। यह विशेष सप्ताह 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक जिले सहित पूरे देश में विभिन्न जनजागरूकता एवं सहकारिता आधारित गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा। सहकारी सप्ताह के प्रथम दिवस पर जिला कोरबा की सभी 60 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के मुख्यालयों तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बिलासपुर की जिला कोरबा स्थित सभी 08 शाखाओं में एक साथ सहकारिता के सतरंगे ध्वज का ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सहकारिता के मूल्यों, सिद्धांतों एवं सामूहिक विकास की भावना को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया गया। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बिलासपुर के अंतर्गत नोडल कार्यालय, शाखा कोरबा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सहकारिता प्रकोष्ठ से जुड़े श्री ब्रजेन्द्रधर शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर माँ भारती के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा सहकारिता के प्रतीक सतरंगे ध्वज का ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कृषकों ने सामूहिक रूप से सहकारिता गान प्रस्तुत कर ध्वज को सलामी दी तथा सहकारिता के सिद्धांतों का पालन करते हुए समाज एवं कृषि क्षेत्र के विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला कार्यकारिणी सदस्य अमित पटेल, कमलेश प्रधान एवं सदस्य ब्रजेश कुमार यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक, जिला क्षेत्र कोरबा के नोडल अधिकारी सुशील कुमार जोशी, सहायक नोडल मुकेश पटेल, शाखा प्रबंधक (कोरबा) श्रीमती सरिता पाठक, पर्यवेक्षक जमाल खान, बैंक स्टाफ कुशल तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कृषक बंधुओं ने भी सहभागिता करते हुए सहकारिता के माध्यम से कृषि विकास, आत्मनिर्भरता एवं

# केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दी लगभग 10 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

■ उप मुख्यमंत्री ने की मुक्तिधाम के लिए 50 लाख और सामुदायिक भवन के लिए 1 करोड़ रुपये की घोषणा

**बिलासपुर।** केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव आज मंगला स्थित माता चौरा में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के विकास को गति देने वाले अनेक कार्यों की सौगात दी। कार्यक्रम में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पांडे, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश सर्वे, श्री दीपक सिंह, श्री मोहित जायसवाल, पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सोमनाथ यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार विकास को मिशन के रूप में आगे बढ़ा रही है। डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से विकास कार्यों को गति मिली है। अब केवल भूमिपूजन नहीं, बल्कि समयबद्ध तरीके से विकास कार्यों का लोकार्पण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिलासपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास को नई गति मिली है। सड़क, रेल, पेयजल और शहरी विकास के क्षेत्र में लगातार बड़े कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिलासपुर को महत्वपूर्ण

परियोजनाओं की स्वीकृति मिली है। रेलवे के विस्तार, स्टेशनों के उन्नयन और अन्य विकास कार्यों से क्षेत्र के लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। पिछले दो वर्षों में बिलासपुर नगर निगम को 437 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। आने वाले समय में शहर और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा, ताकि नागरिकों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी और जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने मंगला स्थित मुक्तिधाम के लिए 50 लाख रुपये तथा सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में अब तक एक हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य कराए जा चुके हैं। क्षेत्र में सड़क, पेयजल, नाली, सामुदायिक भवन और अन्य आधारभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। लोगों ने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से मंगला सहित आसपास के क्षेत्रों में नागरिक सुविधाएं बेहतर होंगी और क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

# जुलाई में कब-कब रखा जाएगा एकादशी का व्रत

**ह**र माह में आने वाली एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन व्रत रखकर विष्णु जी और माता लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी का व्रत करने वाले पर श्री हरि विष्णु की विशेष कृपा बरसती है और घर में सदैव सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। आपको बता दें कि ए प्रत्येक महीने में दो बार एकादशी का व्रत रखा जाता है एक शुक्ल और दूसरा कृष्ण पक्ष में। हर माह में आने वाली एकादशी का अलग नाम और महत्व होता है। तो चलिए जानते हैं कि जुलाई में एकादशी का व्रत कब-कब रखा जाएगा।

**जुलाई 2026 में पहला एकादशी का व्रत कब है?**
जुलाई में पहला एकादशी का व्रत 10 जुलाई को रखा जाएगा। हर साल आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को योगिनी एकादशी का व्रत रखा जाता है। योगिनी एकादशी निर्जला एकादशी के बाद और देवशयनी एकादशी से पहले आती है।

**योगिनी एकादशी 2026 शुभ मुहूर्त**
आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 10 जुलाई को सुबह 8 बजकर 16 मिनट पर होगा। एकादशी तिथि का समापन 11 जुलाई को सुबह 5 बजकर 22 मिनट पर होगा। योगिनी एकादशी के दिन पूजा के लिए ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 41 मिनट से सुबह 5 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। वहीं अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 17 मिनट पर आरंभ होगा और समाप्त दोपहर 1 बजकर 10 मिनट पर होगा।

**योगिनी एकादशी व्रत पारण का समय**
योगिनी एकादशी व्रत का पारण 11 जुलाई को किया जाएगा। पारण के लिए उत्तम समय दोपहर 2 बजकर 3 मिनट से शाम 4 बजकर 42 मिनट तक रहेगा। पारण तिथि के दिन हरि वासर समाप्त होने का समय सुबह 10 बजकर 32 मिनट रहेगा। बता दें कि एकादशी व्रत का पारण हरि वासर के दौरान नहीं किया जाता है।

**योगिनी एकादशी व्रत का महत्व**
योगिनी एकादशी का व्रत करने से सारे पाप मिट जाते हैं और जीवन में समृद्धि की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि योगिनी एकादशी का व्रत करना अठ्यासी हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर है।

**देवशयनी एकादशी 2026 शुभ मुहूर्त**
पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी का आरंभ 24 जुलाई को सुबह 9 बजकर 12 मिनट पर होगा। एकादशी तिथि का समापन 25 जुलाई को सुबह 11 बजकर 34 मिनट पर होगा। देवशयनी एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 45 मिनट से सुबह 5 बजकर 29 मिनट तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 19 मिनट से दोपहर 1 बजकर 11 मिनट तक रहेगा।

**देवशयनी एकादशी 2026 पारण की तिथि और समय**
देवशयनी एकादशी का पारण 26 जुलाई को किया जाएगा। पारण के लिए शुभ समय सुबह 6 बजकर 13 मिनट से सुबह 8 बजकर 50 मिनट तक रहेगा। जातक इस दौरान देवशयनी एकादशी का पारण कर सकते हैं। पारण तिथि के दिन द्वादशी समाप्त होने का समय दोपहर 1 बजकर 57 मिनट रहेगा।

# जुलाई 2026 में व्रत-त्योहारों की भरमार

## जानें इस महीने कौन-सा पर्व कब पड़ रहा है

**सा**ल 2026 का सातवां महीना यानी जुलाई कई बड़े धार्मिक व्रत और त्योहारों से भरपूर रहने वाला है। इस महीने सनातन धर्म के कई प्रमुख व्रत और त्योहार मनाए जाएंगे। जुलाई की शुरुआत आषाढ़ गुप्त नवरात्रि से होगी। इसके बाद भगवान जगन्नाथ रथयात्रा निकलेगी। वहीं, देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा में चले जाएंगे और चातुर्मास का आरंभ होगा। इसके साथ ही कुछ समय के लिए सभी मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। महीने के अंत में गुरु पूर्णिमा और भगवान शिव को समर्पित श्रावण (सावन) मास की शुरुआत होगी।

| तारीख | व्रत / त्योहार |
|---|---|
| 03 जुलाई, शुक्रवार | संकष्टी चतुर्थी |
| 10 जुलाई, शुक्रवार | योगिनी एकादशी |
| 12 जुलाई, रविवार | रवि प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि |
| 15 जुलाई, बुधवार | आषाढ़ गुप्त नवरात्रि प्रारंभ |
| 16 जुलाई, गुरुवार | जगन्नाथ रथयात्रा, कर्क संक्रांति |
| 21 जुलाई, मंगलवार | मासिक दुर्गाष्टमी |
| 25 जुलाई, शनिवार | देवशयनी (हरिशयनी) एकादशी |
| 26 जुलाई, रविवार | रवि प्रदोष व्रत |
| 29 जुलाई, बुधवार | गुरु पूर्णिमा, आषाढ़ पूर्णिमा |
| 30 जुलाई, गुरुवार | श्रावण (सावन) मास प्रारंभ |

## जुलाई 2026 के 4 सबसे बड़े व्रत और त्योहार

**1. श्री जगन्नाथ रथयात्रा (16 जुलाई 2026)**
आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथयात्रा निकाली जाती है। इस दिन तीनों भगवान रथ पर सवार होकर गुंडिचा मंदिर (मौसी घर) के लिए प्रस्थान करते हैं। इस पावन यात्रा के दर्शन के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं।

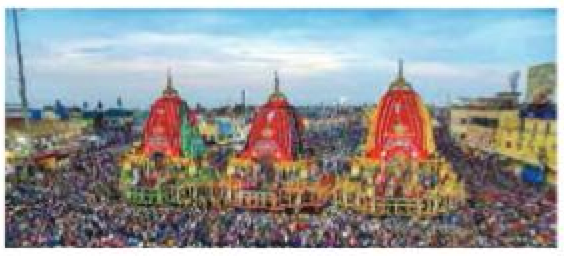

**2. आषाढ़ गुप्त नवरात्रि (15 से 23 जुलाई 2026)**
आषाढ़ गुप्त नवरात्रि सामान्य नवरात्रि से अलग मानी जाती है। इस दौरान साधक तंत्र-मंत्र और दस महाविद्याओं की विशेष साधना करते हैं। आध्यात्मिक उन्नति और विशेष सिद्धियों की प्राप्ति के लिए यह समय अत्यंत शुभ माना जाता है।

**3. गुरु पूर्णिमा और सावन की शुरुआत (29 और 30 जुलाई 2026)**
29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा मनाई जाएगी। यह दिन गुरु और महर्षि वेदव्यास के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए समर्पित होता है। इसके अगले दिन यानी 30 जुलाई से भगवान शिव का प्रिय श्रावण (सावन) मास प्रारंभ होगा। पूरे सावन माह में शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है और चारों ओर "हर-हर महादेव" तथा "बम-बम भोले" के जयघोष सुनाई देते हैं।

**4. देवशयनी एकादशी और चातुर्मास (25 जुलाई 2026)**
देवशयनी एकादशी को हरिशयनी एकादशी भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु चार महीने के लिए क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसी दिन से चातुर्मास का आरंभ होता है। चातुर्मास के दौरान विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन और अन्य मांगलिक कार्यों को करने से परहेज किया जाता है।

# आज का राशिफल

**मेष राशि** - चंद्रमा के अनुकूल प्रभाव से कल का दिन आपके लिए अत्यधिक लाभदायक रहने वाला है। ब्रह्म योग बनने से कल भाग्य का सकारात्मक स्ट्रोक मिलेगा, जो आपको आपके क्षेत्र में दूसरों से काफी आगे रखेगा।

**वृषभ राशि** - आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और सगे-संबंधियों से कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। आज आपको बिजनेस में बड़ा धन लाभ होने की प्रबल संभावना है। व्यापारियों को अपने प्रोडक्ट्स की प्राइस बहुत सोच-समझकर तय करनी चाहिए। ग्राहकों के साथ बेहतर संबंध बनाने की दिशा में काम करें, जिससे काउंटर सेल में बड़ा उछाल आए।

**मिथुन राशि** - चंद्रमा के गोचर से आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। कानूनी प्रक्रियाओं और पुराने विवादों से आज आपको बड़ी राहत मिलेगी,जिससे आप सुकून की सांस लेंगे। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज का दिन लाभ कराने वाला रहेगा,लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी है। न्यू फ्रेंचाइजी या डीलरशिप की प्लानिंग कर रहे हैं, तो दोपहर 12:15 से 02:00 बजे के बीच का समय सबसे शुभ रहेगा।

**कर्क राशि** - आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। समाज में कार्यरत लोगों को वरिष्ठ व्यक्तियों के माध्यम से बड़ा प्रोत्साहन और मान-सम्मान प्राप्त होगा। जो व्यापारी स्टॉक मार्केट, शेयर्स या कमोडिटी ट्रेडिंग में पैसा लगा रहे हैं, वे आज थोड़ा ठहर जाएं। पूरी सावधानी के साथ सोच-समझकर कदम उठाएं। आज आपको बाजार में अपने कॉम्पिटिटर्स की स्ट्रेटजी से कुछ नया सीखने को मिलेगा।

**सिंह राशि** - ब्रह्म योग के प्रभाव से सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपको अचानक कहीं से बड़ा आकस्मिक धन लाभ होने के मजबूत योग दिखाई दे रहे हैं। बिजनेस में आज अच्छा धन लाभ होगा। क्रिएटिव सेक्टर्स, डिजाइनिंग और फैशन बिजनेस से जुड़े लोगों के ऑर्डर्स में भारी बढ़ोतरी होगी। बाजार का सेंटीमेंट पूरी तरह से आपकी उम्मीदों के अनुकूल रहने वाला है।

**कन्या राशि** - आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। इस राशि के व्यक्तियों का झुकाव कल अध्यात्म की तरफ ज्यादा रहेगा और पैतृक संपत्ति से बड़ा लाभ मिलने के योग हैं। जो लोग प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने का प्लान बना रहे हैं, उन्हें आज कोई बेहतरीन ऑफर मिल सकता है। व्यापार में डिजिटल मार्केटिंग और नए एड्स टूल्स पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, ताकि मार्केट में आपकी साख और मजबूत हो सके।

**तुला राशि**-चंद्रमा के अनुकूल गोचर से आज का दिन आपके पूर्णतः अनुकूल रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष और महत्वपूर्ण कार्य में बड़ी सफलता मिलेगी, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगी। व्यापारियों को कल अपने ब्रांड के लिए एक मजबूत कस्टमर रिलेशन स्ट्रेटेजी अपनानी चाहिए। जिस प्रोडक्ट पर आपने लंबे समय से भरोसा जताया था, आज बाजार में वहां से डिमांड और मुनाफे की एक नई लहर आएगी। निवेश से पहले विचार कर लें।

**वृश्चिक राशि** -आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। लंबे समय से अटके हुए किसी महत्वपूर्ण कार्य के कल पूरे होने की प्रबल संभावना बन रही है, जिससे मानसिक तनाव कम होगा। व्यापार में आज कर्मचारियों का पूरा सहयोग बना रहेगा। तीक्ष्ण सूझबूझ से आप बाजार की विपरीत परिस्थितियों को भी अपने अनुकूल कर पाने में सफल रहेंगे। पैसों का कोई भी बड़ा लेनदेन कल बहुत सजग होकर करें।

**धनु राशि**-चंद्रमा आज आपकी ही राशि से संचार करेंगे,जिससे आपका बौद्धिक विकास होगा और मन पूरी तरह शांत व खुशनुमा रहेगा। आज आपको पुरानी उधारी या कर्ज से बड़ी मुक्ति मिल सकती है। व्यापार में आज बढ़िया धन लाभ होने से आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत बनेगी। जो लोग काफी समय से अच्छे घर या कमर्शियल स्पेस की तलाश में थे, आज उनको बढ़िया डील मिलने के योग बन रहे हैं। नए अनटेस्टेड काम से अभी बचें।

**मकर राशि** - आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। रोजगार में तरक्की के नए मार्ग प्रशस्त होंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा और सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा। इन्वेस्टमेंट के लिहाज से कल का दिन बहुत शानदार है, पुराने निवेश में दुगुना फायदा होने वाला है। बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए आज बिना सोचे-समझे बड़ा रिस्क न लें।

**कुंभ राशि**- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप किसी बिल्कुल नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं,जिससे आपके करियर को एक नई और लंबी ग्रोथ मिलेगी। व्यापारियों को आज किसी भी नई बड़ी प्लानिंग को धरातल पर उतारते समय सावधानी रखनी होगी। हालांकि, सरकारी नियमों या टैक्स में मिलने वाली किसी विशेष राहत से आपके बिजनेस विस्तार की लागत काफी कम हो जाएगी।

**मीन राशि**- चंद्रमा के दशम भाव में होने से आज आपकी जॉब प्रोफाइल या वर्किंग डिपार्टमेंट में होने वाले बदलावों से आपको बहुत बड़ा करियर लाभ होने वाला है।व्यापार में आज बढ़िया धन लाभ होगा,जिससे परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। ऑनलाइन बिजनेस करने वाले व्यापारियों को आज अपने ऑनलाइन रिव्यूज और डिजिटल फीडबैक को बहुत स्मार्टली मैनेज करना होगा। शाम को बड़ा मुनाफा हाथ लग सकता है।

# हर 12 साल में क्यों बदल दी जाती है जगन्नाथ जी की प्रतिमा ?

**आ**ज से आषाढ़ माह की शुरुआत हो गई है। इस माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन ओडिशा के पुरी स्थित मंदिर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाती है। रथयात्रा के दौरान उनके बड़े भाई बलभद्र और सुभद्रा देवी के रथ भी निकाले जाते हैं। इस साल भगवान जगन्नाथ जी का ये पावन पर्व 16 जुलाई से शुरू होकर 24 जुलाई तक चलेगा। धार्मिक मान्यता की रथयात्रा के दौरान रथों की रस्सियां खींचने से जन्म-जन्मांतर के पाप कट जाते हैं। यही कारण है कि जगन्नाथ जी की रथयात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। जगन्नाथ जी के मंदिर के कई ऐसे रहस्य हैं, जिनके बारे में जानकर लोग चौंक जाते हैं। इन्हीं में से एक यह भी है कि हर 12 साल में इस धाम की मूर्तियों को बदल दिया जाता है। इस अनुष्ठान को 'नवकलेवर' कहा जाता है, जिसका अर्थ होता है नया शरीर। 'नवकलेवर' अनुष्ठान में जगन्नाथ मंदिर में स्थापित श्री जगन्नाथ, बालभद्र, सुभद्रा देवी और सुदर्शन जी की प्रतिमा बदली जाती है।

**बहुत ही गुप्त होता है अनुष्ठान**
श्री जगन्नाथ, बालभद्र, सुभद्रा देवी और सुदर्शन जी की प्रतिमाओं को बदलने के पीछे की वजह ये है कि ये प्रतिमाएं लकड़ी से बनाई जाती हैं और ये खंडित न हों, इसलिए इन प्रतिमाओं को बदल दिया जाता है। नवकलेवर अनुष्ठान के दौरान पूरे शहर भर की लाइटें बंद करवा दी जाती हैं। इससे हर स्थान पर अंधेरा हो जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता है, क्योंकि ये अनुष्ठान बहुत ही गुप्त रूप से होता है।

**मंदिर के पुजारी भी अनुष्ठान को नहीं देखते**
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस प्रक्रिया को इसलिए गोपनीय रखा जाता है, ताकि जब ये काम किया जाए तो इस पर किसी नजर न पड़े। यही नहीं मंदिर के जो पुजारी इस अनुष्ठान को करते हैं, वो भी इसको नहीं देखते। भगवान जगन्नाथ, बालभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन जी की प्रतिमा को नीम की लकड़ी से बनाया जाता है। मंदिर के मुख्य पुजारी प्रतिमाएं बनाने के लिए पेड़ों का चुनाव करते हैं। मान्यता है कि नीम करीब 100 साल पुरानी होनी चाहिए और उसमें किसी भी प्रकार का दोष नहीं होना चाहिए।

# मानसून में बढ़जाता है यूरिन इन्फेक्शन का खतरा

**मा**नसून का मौसम गर्मी से राहत के साथ कई स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी लेकर आता है। इस दौरान बढ़ी हुई नमी, पसीना और स्वच्छता में कमी के कारण यूरिन इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। यदि संक्रमण का समय पर इलाज न हो, तो यह किडनी तक पहुंचकर गंभीर समस्या पैदा कर सकता है। ऐसे में बचाव के लिए डॉ. योगेश कुमार छाबड़ा, डायरेक्टर और यूनिट हेड - नेफ्रोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पिटल, बता रहे हैं कि इस मौसम में किन सावधानियों को अपनाना बेहद जरूरी है ताकि आपको यूरिन इन्फेक्शन का सामना न करना पड़े और आपकी किडनी भी हेल्दी रहे।

## यूरिन इन्फेक्शन का खतरा टालने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

**खूब पिएं पानी:** आपको यूरिन इन्फेक्शन न हो इसलिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। दिन भर पानी पीने से शरीर से बैक्टीरिया बाहर निकलने में मदद मिलती है।

**साफ, सूती अंडरगारमेंट्स का करें इस्तेमाल:** इस मौसम में गीले कपड़े या पसीने वाले वस्त्र अधिक देर तक न पहनें और हमेशा साफ, सूती अंडरगारमेंट्स का उपयोग करें।

**हाइजीन का रखें ध्यान**: स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें और शौचालय के उपयोग के बाद हाथों की अच्छी तरह सफाई करें। पेशाब को लंबे समय तक रोककर न रखें और बार-बार पेशाब आने की इच्छा होने पर तुरंत शौचालय जाएं।

**अच्छी डाइट करें फॉलो:** आपकी किडनी स्वस्थ रहे इसलिए जरूरी है कि आप संतुलित डाइट को अपनी रूटीन में शामिल कर लें। अपनी डाइट में आप मौसमी फल और हरी सब्जियां भोजन में शामिल करें तथा अधिक नमक और जंक फूड से बचें।

**मधुमेह के मरीज ब्लड शुगर करें कंट्रोल:** मधुमेह के मरीज अपने ब्लड शुगर को नियंत्रित रखें, क्योंकि अनियंत्रित शुगर संक्रमण का खतरा बढ़ा सकती है।

**पेशाब करते समय दिखे यह परेशानी तो हो जाएं सावधान:** यदि पेशाब करते समय जलन, बार-बार पेशाब आना, बदबूदार या धुंधला पेशाब, बुखार, कमर में दर्द या पेशाब में खून दिखाई दे, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। स्वयं एंटीबायोटिक दवाएं लेने से बचें।

# कैसे जॉब ही छीन रही माता -पिता बनने का सुख!

## एक्सपर्ट ने बताया पूरा सच

**भा**रत में महिलाओं का फर्टिलिटी आज घटकर 1.9 हो गया है। ये आंकड़ा एनएफएचएस-6 रिपोर्ट में सामने आया है। देखा जाए तो एवरेज फर्टिलिटी 2 से ऊपर होना चाहिए जबकि देश में ये लगातार घट रहा है। इनफर्टिलिटी के पीछे कई कारण हो सकते हैं जिनमें से एक जॉब कल्चर भी है। महिलाएं और पुरुष अपने काम के स्ट्रेस में इस कदर बिजी हैं कि उनकी नौकरी ही माता-पिता बनने का सुख छीन रही है। कई रिसर्च में पाया गया है कि नौकरी का तनाव लोगों की इनफर्टिलिटी से संबंधित समस्याओं से जुड़ा होता है। चलिए आपको बताते हैं कि कैसे जॉब और बिजी लाइफ का ये रुटीन लोगों को इनफर्टिलिटी का शिकार बना रहा है।

### फर्टिलिटी का क्या मतलब है

आयुर्वेदिक डॉक्टर चंचल शर्मा कहती हैं कि फर्टिलिटी किसी व्यक्ति की नेचुरली बच्चा पैदा करने की क्षमता को कहते है। यह सुनने में जितना आसान लगता है उतना ही नाजुक विषय भी है। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आपका कॉर्पोरेट रूटीन आपकी फर्टिलिटी में रुकावट डाल सकता है।

### मेलाटोनिन ट्रैप

हम अक्सर यह मान लेते हैं कि हमारी स्क्रीन से निकलने वाली नीली किरणें सिर्फ हमारी नींद में रुकावट डालती है। लेकिन असल में वो नीली किरणें शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पत्ति को रोक सकती है। मेलाटोनिन न सिर्फ बेहतर नींद लेने में मदद करता है बल्कि यह एक असरदार एंटीऑक्सीडेंट भी है जो महिलाओं के एग्स को किसी भी तरह के नुकसान से बचाता है।

### कॉर्पोरेट कल्चर कैसे बढ़ा रहा इनफर्टिलिटी का डर

डेस्क पोटैटो- क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि काम के घंटों के बीच आप कितनी देर तक अपनी डेस्क पर बैठते है? लोग सोचते है की काम करने के लिए ध्यान और निरंतरता जरूरी है इसलिए ज्यादा देर तक बैठना आम माना जाता है। हालांकि, यह लगातार बैठने का जाल आपकी ताकत खा रहा है, जिससे आपकी मांसपेशियां सख्त हो जाती हैं। यह तब होता है जब आप अचानक मसल्स की मूवमेंट करने की कोशिश करते हैं। इससे न सिर्फ पीठ दर्द होता है, बल्कि आपके पेल्विक एरिया में ब्लड सर्कुलेशन भी काफी धीमा हो जाता है, जिससे आपकी फर्टिलिटी पर असर पड़ता है।

### कॉफी कल्चर

कई रिसर्च से पता चला है कि जो गर्भवती महिलाएं रोजाना तीन कप से ज्यादा कॉफी पीती है उनमें कंसीव करने की क्षमता कम होने का डर बना रहता है या फिर ये 50% तक कम हो सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कैफीन फैलोपियन ट्यूब में होने वाली नेचुरल एक्टिविटीज को रोकता है, जिससे सफल गर्भाधान और नेचुरल प्रेगनेंसी की संभावना में रुकावट आती है।

# पीएम आवास के लिए 90 ग्रामीणों से लिए रुपए, सूची आई नाम भी गायब, कार्रवाई की मांग, वर्ना होगा आंदोलन

**ग्राम पंचायत कोठीटोला के आश्रित ग्राम नवागांव का मामला, ग्रामीणों ने की शिकायत**

**रोजगार सहायक, इंजीनियर, कोटवार और पंचायत सचिव का कारनामा**

**राजनांदगांव।** डोंगरगढ़ ब्लॉक के कोठीटोला पंचायत आश्रित ग्राम नवागांव में पीएम आवास के लिए ग्रामीणों से रुपए लेने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने बाकायदा इसकी लिखित शिकायत की और बताया कि रोजगार सहायक, इंजीनियर और कोटवार ने घर-घर जाकर 1-1 हजार रुपए लिए। इसके बाद जब पीएम आवास की सूची का आई तो उसमें उन ग्रामीणों का नाम ही नहीं था। वहीं किसलिए रुपए लिए गए हैं, इस पर फाइल बनाने का हवाला दिया जा रहा है। इसे लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है और वे इस मामले में कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ग्रामीण ने शिकायत में कहा कि पंचायत के रोजगार सहायक दिलीप चौधरी, इंजीनियर प्रदीप खरे, कोटवार सरकाश लाउत्रे ने 90 हितग्राहियों से एक-एक हजार रुपए लिए। बाकायदा सत्यापन कर फोटो लिया गया। वहीं ग्रामीणों ने पंचायत सचिव मायाराम निर्मलकर पर भी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीण चंद्रप्रकाश कंवर ने कहा कि पात्र लोगों को सूची से बाहर कर दिया गया। जबकि इन लोगों ने ग्रामीणों का नाम सूची में आने की बात कहकर रुपए लिए। इसके बाद सूची से नाम गायब पाया गया। जबकि सभी ग्रामीण पात्र है, उन्हें पीएम आवास मिलना चाहिए। संगीमता कंवर ने बताया कि 26 जून को पंचायत में पीएम आवास की सूची का वाचन किया गया, उसमें उन लोगों का नाम ही नहीं आया, जिनसे रुपए लिए गए। अब सभी टालमटोल कर रहे हैं।

**सात दिनों का अल्टीमेटम, भूख हड़ताल पर बैठने की चेतावनी**

जिला मुख्यालय पहुंचकर ग्राम नवागांव के ग्रामीणों ने प्रकरण की लिखित शिकायत की। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों को अल्टीमेटम दिया कि यदि 7 दिन के भीतर इस मामले में निलंबन की कार्रवाई नहीं होती है तो वे आठवें दिन से भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि पीएम आवास के नाम पर उनसे रिश्वत ली गई और उनका नाम भी लिस्ट में नहीं आया। इसे लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है।

# अंबिकापुर का दयानिधि हॉस्पिटल विवादों में, स्वास्थ्य विभाग ने दिए जांच के आदेश

**ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. अनिल शुक्ला ने दिये सीएमएचओ सरगुजा को जांच के आदेश**

**अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) ।** अंबिकापुर का दयानिधि हॉस्पिटल एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। सोशल मीडिया पर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक (स्वास्थ्य सेवाएं) ने सीएमएचओ सरगुजा को अस्पताल के खिलाफ जांच के कड़े आदेश जारी कर दिए हैं। 30 जून 2026 को जारी इस आधिकारिक पत्र में मामले की निष्पक्ष जांच कर छह कार्यदिवस के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

**आयुष्मान योजना में करोड़ों की वसूली का आरोप :** यह जांच आदेश ऐसे समय में आया है जब अस्पताल और उसके संचालक डॉ. संदीप त्रिपाठी पहले से ही विवादों में हैं। सोशल मीडिया पर वायरल शिकायतों के अनुसार, अस्पताल प्रबंधन पर आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद मरीजों से अवैध रूप से नगद राशि वसूलने का गंभीर आरोप है। इतना ही नहीं, अस्पताल कर्मियों की मिलीभगत से यह रकम निजी खातों में ट्रांसफर कराई जा रही थी। पिछले तीन वर्षों में अस्पताल को आयुष्मान योजना के तहत करोड़ों रुपये का भुगतान किया जा चुका है, जिससे पूरी व्यवस्था की पारदर्शिता पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं।

**सीएमएचओ पर टिकीं निगाहें, मंडल स्तर पर भी हो सकती है जांच :** स्वास्थ्य विभाग ने सीएमएचओ को एक विशेष जांच दल गठित कर सभी तथ्यों की सूक्ष्मता से जांच करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल सभी की निगाहें सीएमएचओ डॉ. पी.एस. मार्को पर टिकी हैं कि क्या वे बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई करेंगे। विभाग के सूत्रों के अनुसार, यदि जिला स्तर की इस जांच में किसी भी तरह की लापरवाही या अपारदर्शिता पाई गई, तो डिवीजन स्तर पर नई टीम बनाकर मामले की बारीकी से दोबारा जांच की जाएगी और नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# सदगुरु कबीर प्रागट्य महोत्सव में सांसद विजय बघेल ने किया कबीर भवन सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण

**रिसाली।** भिलाई स्थित सदगुरु कबीर पूर्णिमा समिति द्वारा आयोजित सदगुरु कबीर प्रागट्य महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने सांसद निधि से लगभग 12 लाख रुपये की लागत से निर्मित सदगुरु कबीर भवन के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण कर समाज को समर्पित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद विजय बघेल ने सदगुरु कबीर साहेब के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इस दौरान कबीर पंथ के अनुयायियों ने संत कबीर के संदेशों का स्मरण करते हुए समाज में प्रेम, समानता और मानवता का संदेश प्रसारित किया। अपने उद्बोधन में सांसद विजय बघेल ने कहा कि संत कबीरदास जी औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके, लेकिन अपनी जन्मजात प्रतिभा, अद्भुत ज्ञान, दृढ़ इच्छाशक्ति और आध्यात्मिक चेतना के बल पर उन्होंने पूरे समाज को सत्य, प्रेम और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके दोहे और वाणी आज भी समाज को जाति, पंथ और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर एकता और सद्भाव का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि संत कबीर के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सदियों पहले थे और हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर सामाजिक समरसता को मजबूत करना चाहिए।सांसद विजय बघेल ने कार्यक्रम में अपनी मधुर प्रस्तुति से भी सभी का मन मोह लिया। उन्होंने प्रसिद्ध भजन ÷सुख के सब साथी, दुख में ना कोई÷ प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो गए और पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बन गया।कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष अंतराम साहेब ने अतिथियों का स्वागत करते हुए समिति की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूजनीय माता कचरी बाई एवं पिता छितकु साव की पावन स्मृति में श्री मोहनलाल साहू एवं श्रीमती शिवबती साहू द्वारा लगभग तीन हजार वर्गफुट भूमि कबीर पूर्णिमा समिति को दान स्वरूप प्रदान की गई थी, जिस पर आज समाज के लिए उपयोगी भवन का विकास किया गया है। उन्होंने इसके लिए सभी सहयोगकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अंतराम साहेब (अध्यक्ष, कबीर पूर्णिमा समिति रिसाली), चंद्रभूषण साहू (अध्यक्ष, जिला साहू संघ भिलाई नगर), डॉ. कामता प्रसाद साहू सहित समिति के पदाधिकारी, समाज के वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन संत कबीर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज में भाईचारा, समरसता और मानव सेवा की भावना को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

# निगम में एल्डरमेन, डेमोक्रेटिक ढांचे के ईंट जैसे : राजेश

**धमतरी।** धमतरी नगर निगम में नवनियुक्त 8 एल्डरमेन जिला भाजपा कार्यालय पहुँचे यहाँ उन्होंने जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस और भाजपा कार्यसमिति सदस्य पँ राजेश शर्मा से भेंट की, यहाँ सभी एल्डर मेन को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर आर्मिन्दर मुंडी, भागवत यादव, प्राची सोनी, विजय ठाकुर, अशोक सिन्हा, दिलीप पटेल, रितिका यादव और सीमा चौबे उपस्थित रहे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस ने कहा कि नए एल्डरमेन धमतरी के विकास के लिए जनता के बीच जाकर काम करेंगे। धर्म प्रेमी और भाजपा कार्यसमिति सदस्य पँ राजेश शर्मा ने कहा कि एल्डरमेन निगम के ढांचे में लोकतंत्र को मजबूत करने वाली ईंट और कॉन्क्रीट के जैसे है, जो पूरे निगम क्षेत्र में जनता के साथ और भविष्य की योजनाओं में निगम की टीम के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करते है। इस मौके पर भाजपा कार्यालय में नेहरू निषाद पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष, महेन्द्र पंडित जिला महामंत्री, विनय जैन, पवन गजपाल मंडल अध्यक्ष, मिश्री पटेल, राजीव सिन्हा, रामाधार यादव, लकी डागा, विकास शर्मा।

# लोकतंत्र सेनानियों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया सम्मानित, लोकतंत्र रक्षकों के योगदान को किया नमन

**तिल्दा-नेवरा।** आपातकाल की 51वीं स्मृति के अवसर पर रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान का भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिजनों का सम्मान किया। इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानी परिवार से स्वर्गीय पंडित नरेंद्र मालूराम शर्मा एवं स्वर्गीय शत्रुघ्न वर्मा के परिजनों को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों के त्याग, साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। कार्यक्रम में आपातकाल विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को भी मुख्यमंत्री के कर-कमलों से सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने, वरिष्ठ पदाधिकारी संतोष शर्मा, लोकतंत्र प्रहरी के प्रदेश अध्यक्ष विशाल राजहंस, प्रदेश महामंत्री पंडित नरेंद्र मालूराम शर्मा, रायपुर जिला ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ जैन, नारी शक्ति की प्रतिनिधि रानी जैन सहित अनेक लोकतंत्र सेनानी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने भी लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करते हुए उनके संघर्ष और लोकतंत्र के प्रति समर्पण की सराहना की। लोकतंत्र प्रहरी एवं लोकतंत्र सेनानी संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को स्मरण करना तथा नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में प्रदेशभर से लोकतंत्र सेनानी, उनके परिजन, विद्यार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।

# भिलाई इस्पात संयंत्र में नेहरू पुरस्कार वितरण समारोह का द्वितीय चरण संपन्न

**भिलाई।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की ऐतिहासिक नेहरू अवार्ड योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 के लिए नेहरू पुरस्कार वितरण समारोह का द्वितीय एवं अंतिम चरण दिनांक 29 जून 2026 को संपन्न हुआ। दो दिवसीय इस पुरस्कार वितरण समारोह के दूसरे दिन संयंत्र के विभिन्न विभागों के 34 समूहों के कुल 266 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके सामूहिक उत्कृष्ट योगदान के लिए जवाहर लाल नेहरू समूह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं प्रथम चरण में 274 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया था, इस प्रकार दोनों चरणों में कुल 540 पुरस्कार विजेताओं को नेहरू अवार्ड योजना के अंतर्गत सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार योजना का उद्देश्य उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, नवाचार एवं टीम भावना को प्रोत्साहित करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान का सम्मान करना है। समारोह के मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक प्रभारी (बीएसपी) एवं कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री अजय कुमार चक्रवर्ती रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) श्री प्रबीर कुमार सरकार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी तथा कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (संकार्य) श्री तुषार कांत उपस्थित रहे। समारोह में संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारीगण, ऑफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी, विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि, पुरस्कार विजेता तथा उनके परिजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री अजय कुमार चक्रवर्ती ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि समूह पुरस्कार संगठन में सामूहिक कार्यसंस्कृति, परस्पर विश्वास तथा टीम भावना का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़ी उपलब्धि के पीछे टीम के प्रत्येक सदस्य का योगदान महत्वपूर्ण होता है और इसी भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से समूह पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मानित समूह भविष्य में भी उत्कृष्ट कार्य करते हुए अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे तथा संयंत्र की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे। साथ ही उन्होंने सभी से आग्रह किया कि आप हमेशा कुछ नया सीखते रहिए, ये आदत ही आपको जीवन में सफलता दिलाएगी।कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) श्री जे. एन. ठाकुर ने उपस्थित अतिथियों, पुरस्कार विजेताओं एवं उनके परिजनों का स्वागत करते हुए नेहरू पुरस्कार योजना की विशेषताओं तथा द्वितीय चरण के पुरस्कारों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी सम्मानित समूहों को शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट कार्य संस्कृति एवं टीम भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री प्रियंका मीणा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री अंजना विनोद ने प्रस्तुत किया। प्रशस्ति पत्र हेतु पुरस्कार विजेताओं के नामों का वाचन उप प्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री समायला अंसारी तथा सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) श्री मिहिर मनोहर द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में इस्पात बिरादरी के सदस्य एवं पुरस्कार विजेताओं के परिजन उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र की नेहरू अवार्ड योजना संगठन की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित पुरस्कार योजनाओं में से एक है, जिसके माध्यम से उत्कृष्ट व्यक्तिगत एवं सामूहिक योगदान को सम्मानित कर संगठन में उत्कृष्ट कार्य संस्कृति, नवाचार तथा टीम भावना को निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है।

# श्यामतराई में अवैध प्लाटिंग का कार्य धड़ल्ले से जारी, जिला स्तरीय समिति गठित लेकिन कागजों तक सीमित

**धमतरी।** जिले में पिछले लंबे समय से शासकीय भूमियों पर अतिक्रमण कर वहां मकान, दुकान, होटल बनाये जाने की एक परंपरा चल चुकी है जिसके चलते शासकीय भूमि का रकबा धीरे-धीरे कम होते जा रहा है। साथ ही साथ भूमाफियाओं द्वारा सस्ती जमीनों को खरीदकर वहां बिना अनुमति के अवैध विकास कर शासन के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। ऐसे लोगों पर जिनको कार्यवाही का अधिकार था, वे एक-दूसरे विभाग जिम्मेदारी थोपकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं जिसे देखते हुए यह मामला विधानसभा में वर्ष 2024 में ध्यानाकर्षण सूचना क्रमांक 2 पर सदन में चर्चा के दौरान भी काफी जोर-शोर से उठाया गया था। सदन में चर्चा के दौरान लिये गये निर्णय के अनुसार एक समिति भी गठित की गई है। लेकिन इसके बाद भी अवैध प्लाटिंग करने वाले भूमाफियाओं के साथ स्थानीय स्तर के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत के चलते ऐसे अवैध विकास को रोकने की कोई पहल नहीं की गई और यही कारण है कि शहर एवं आसपास के अंचलों में ऐसे अवैध प्लाटिंग का कार्य निरंतर जारी है। राजस्व अमला द्वारा ऐसे निर्माण कार्यों पर कोई कार्यवाही नहीं करना इस बात का परिचायक है कि भूमाफियाओं द्वारा इन्हें अपने वश में कर लिया गया है, तभी तो ऐसे बड़े-बड़े भूभाग पर अवैध प्लाटिंग का सिलसिला निरंतर जारी है। वर्तमान में ग्राम श्यामतराई में अवैध प्लाटिंग का कार्य बहुत बड़े भूभाग पर धड़ल्ले से जारी है। हालांकि इसे लेकर छग राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग रायपुर द्वारा वर्ष 2024 में एक समिति भी गठित की गई है। लेकिन यह समिति कागजों तक सिमटकर रह गई है। विधानसभा सत्र 2024 में ध्यानाकर्षण सूचना क्रमांक 2 पर सदन में चर्चा के दौरान निर्मित आश्वासन क्रमांक 148 अनुसार अवैध प्लाटिंग को रोकने हेतु सचिव, छग शासन राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग की अध्यक्षता में अंर्तविभागीय समिति की बैठक में लिये गये निर्णय, सहमति अनुसार प्रदेश में अवैध प्लाटिंग को रोकने के संबंध में तीन सूत्रीय निर्णय लिये गये जिनमें छग भू राजस्व संहिता 1959, छग भू राजस्व संहिता संशोधन अधिनियम 2025, विभागीय नियम, निर्देश का पालन किया जाना सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया था। इसके अतिरिक्त दो अन्य बिंदु भी उक्त बैठक में पारित किये गये। लेकिन यह निर्णय धमतरी जिले में लागू नहीं होता, इसी वजह से भूमाफियाओं द्वारा लगातार अवैध प्लाटिंग का कार्य धड़ल्ले से जारी किया जा रहा है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण कंपोजिट बिल्डिंग के पीछे के अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग 30 के समीप विशालकाय भूभाग पर अवैध प्लाटिंग से दिया जा सकता है जिसे रोकने के लिये विशेष सचिव, छग शासन, राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन रायपुर के पत्र क्रमांक पीएलजीएमजे-2402/25/2025 आरईवीईएनयूवी/7-1 दिनांक 29.1.2026 समस्त कलेक्टरों को जारी करते हुए समिति गठित कर ऐसे अवैध विकास, निर्माण को रोकने का निर्देश दिया गया है। छग राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग रायपुर द्वारा समस्त कलेक्टर छग को लिखे गये पत्र में प्रदेश में अवैध प्लाटिंग रोकने के संबंध में दो अन्य बिंदु जिनमें आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा अधिसूचित छग किफायती जन आवास नियम 2025 में उपबंधित नियम, निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। जिला स्तर पर अवैध प्लाटिंग पर समुचित कार्यवाही करने हेतु जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित किया जाये जिसमें जिला पुलिस अधीक्षक, संबंधित विभाग यथा नगरीय प्रशासन व विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आवास एवं पर्यावरण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग आदि को सदस्य बनाया जाकर समन्वय स्थापित करते हुए अवैध प्लाटिंग के प्रकरणों पर कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। यह आदेश छग के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार विशेष सचिव छग आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी किया गया है जिसकी प्रतिलिपि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्री के निज सहायक, तथा सचिव छग शासन, आवास एवं पर्यावरण मंत्रालय महानदी भवन को भी प्रेषित की गई है। जनवरी माह में जारी यह आदेश का परिपालन धमतरी जिले में नहीं किया जा रहा है जिसके कारण भूमाफियाओं द्वारा अवैध प्लाटिंग का कार्य धड़ल्ले से जारी है। कंपोजिट बिल्डिंग, कलेक्टोरेट परिसर के पीछे में लंबे-चौड़े क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग का कार्य आसानी से देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त कलेक्टोरेट कार्यालय के आसपास भी ऐसे अवैध विकास कराये जा रहे हैं। ऐसे निर्माण कार्यों पर कार्यवाही तो दूर, जांच तक प्रारंभ नहीं की गई है जिससे पता चलता है कि अधिकारी, छग राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग के उक्त पत्र का कितनी ईमानदारी से पालन करवा रहे हैं। कलेक्टोरेट परिसर के पिछवाड़े हो रही अवैध प्लाटिंग को लेकर यह खबर मीडिया की सुर्खियां बनीं। कार्यवाही के अभाव में ऐसे लोगों के हौसले बुलंद हैं जिन्होंने अब राष्ट्रीय राजमार्ग 30 तथा ग्राम श्यामतराई के समीप लगभग 5 एकड़ के क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग का कार्य शुरू कर दिया है। इस स्थल पर रेरा और अन्य विभागों से बिना अनुमति लिये ऐसे विकास कार्य धड़ल्ले से कराये जा रहे हैं। नियमानुसार राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय रायपुर के जनवरी माह में लिखे पत्र के अनुसार अवैध प्लाटिंग को रोकने के लिये विधानसभा सत्र 2024 ध्यानाकर्षण सूचना क्रमांक 2 पर सदन में चर्चा भी हुई थी। लेकिन ऐसे गंभीर मामलों को लेकर संबंधित विभाग ने अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की है। भूमाफियाओं का दावा है कि निर्माण कार्य के पूर्व हमने अपनी पहुंच का लाभ लेते हुए अधिकारियों को अपने वश में कर लिया है। इनका यह भी दावा है कि कोई भी हमारा बाल बांका नहीं कर सकता, चाहे वह मीडिया ही क्यों न हो? उनकी इस बात में कितनी सच्चाई है, यह तो नहीं मालूम परंतु जागरूक लोगों को जिले के संवेदनशील कलेक्टर जो कि जिला समिति के अध्यक्ष बनाये गये हैं, उनके रहते ऐसे अवैध प्लाटिंग का कार्य फल-फूल नहीं सकता। चूंकि जिले में सुशासन तिहार 2026 के चलते वे शिविरों में व्यस्त थे, इस कारण ऐसे अवैध विकास, अवैध प्लाटिंग पर कोई कार्यवाही नहीं हो सकी है। लेकिन अब जागरूक लोगों को उम्मीद है कि भूमाफियाओं द्वारा लगातार किये गये जा रहे अवैध प्लाटिंग पर अब जिला प्रशासन का शिकंजा कसेगा और ऐसे अवैध विकास को पूर्व की स्थिति में लाकर, संबंधित भूमाफियाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया जायेगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com